मध्यप्रदेश का सबसे तेज बढ़ता सांध्य दैनिक

अमृत दर्शन

भोपाल, नर्मदापुरम एवं रायसेन से एक साथ प्रकाशित

RNI NO. 50259/90
वर्ष : 36
अंक : 178
भोपाल, शुक्रवार
29 अगस्त 2025
पृष्ठ : 8 मूल्य : 1 रु.

03 अब हर नवजात को मिलेगा मां के दूध का संबल

www.amritdarshan.com
Email : amritdarshan@yahoo.com

सिंधु वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं 06

भिंड कलेक्टर के साथ विधायक की अभद्रता का मामला

आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन सीएम और मुख्य सचिव से मिलेगा, दर्ज कराएगा विरोध

भोपाल ■ अमृत दर्शन

भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के बंगले में घुसकर भाजपा विधायक और समर्थकों द्वारा की गई अभद्रता के मामले में आईएएस आफिसर्स एसोसिएशन विरोध में उतर आया है। एसोसिएशन शुक्रवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मुख्य सचिव अनुराग जैन से मिलकर घटनाक्रम को लेकर विरोध जताएगा और अपमानजनक शब्दावली को लेकर सरकार का ध्यान आकृष्ट करेगा ताकि भविष्य में प्रशासनिक अफसरों के साथ ऐसी घटनाएं न हों। मध्यप्रदेश आईएएस आफिसर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष मनु श्रीवास्तव ने बताया कि बुधवार को भिंड कलेक्टर से साथ हुए घटनाक्रम को लेकर आज मुख्य सचिव अनुराग जैन से मिले थे। इस मामले में विरोध दर्ज कराया गया है। एसोसिएशन के पदाधिकारी और आईएएस अधिकारी एक साथ मुख्य सचिव जैन और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से फिर मिलेंगे और सम्पूर्ण घटनाक्रम पर एक्शन के साथ ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न होने की मांग भी करेंगे।

उन्होंने कहा कि इस पूरे मामले में आज उन्होंने भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव से भी बात की है और संभागायुक्त चंबल संभाग से भी घटना की जानकारी ली है। प्रशासनिक अफसरों के साथ इस तरह की एक्टिविटी रोकने की मांग को लेकर एसोसिएशन पूरी तरह गंभीर है।

कर्मचारी संगठनों ने भी किया विरोध

भिंड कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव के साथ घटित घटना पर कर्मचारी संगठनों ने भी विरोध जताया है। मप्र तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ के महामंत्री उमाशंकर तिवारी ने कहा है कि अधिकारी, कर्मचारी ऐसे माहौल में काम नहीं कर पाएंगे। तिवारी ने कहा कि यदि वरिष्ठ अधिकारी या कर्मचारी जनहित में एवं जनप्रतिनिधि द्वारा बताए गए कार्य नहीं कर रहे हैं तो उनकी शिकायत उचित जगह की जाए लेकिन किसी को भी कानून अपने हाथ में लेकर इस प्रकार से दुर्व्यवहार करना बहुत ही दुखद है। जनप्रतिनिधि अगर इस प्रकार से करेंगे तो जनता में गलत संदेश जाएगा। प्रदेश एवं जिलों में काम करने वाले अधिकारी कर्मचारियों में दहशत व्याप्त होगी। कर्मचारी सही तरीके से काम नहीं कर पाएंगे।

यह है मामला

भिंड विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह अपने समर्थकों के साथ कलेक्टर आवास पर पहुंचे। यहां कलेक्टर संजीव श्रीवास्तव मेन गेट पर आए। यहां विधायक ने तू-तड़ाक शुरू किया। इस पर कलेक्टर नाराज हो गए। कलेक्टर ने उंगली दिखाई और कहा औकात में बातचीत करना। विधायक कुशवाह ने आंखें दिखाते हुए दांतों को पीसते हुए मुक्का बांधकर दिखाया।

मर्यादा लांघने वालों पर भाजपा एक्शन की तैयारी में

केंद्रीय नेतृत्व से लेकर प्रदेश संगठन द्वारा भाजपा के सांसद- विधायकों को अनुशासन का पाठ पढ़ाने के बावजूद भाजपा के विधायक सार्वजनिक मंचों पर मर्यादा लांघते नजर आ रहे हैं। भिंड से भाजपा विधायक नरेंद्र सिंह कुशवाह का कलेक्टर से तू-तू, मैं-मैं और मुक्का मारने के लिए हाथ उठाने के मामले को संगठन ने गंभीरता से लिया है। जानकारी के मुताबिक भाजपा प्रदेश अध्यक्ष हेमंत खंडेलवाल ने कुशवाह को तलब किया है।

ग्वालियर में रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आज से

टूर ऑपरेटर्स, होटल इंडस्ट्री के 400 लोग होंगे शामिल कल जाएंगे मुख्यमंत्री

ग्वालियर ■ अमृत दर्शन

ग्वालियर में दो दिवसीय 'रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव 2025 आज से शुरू हो रहा है। कृषि विश्वविद्यालय के सभागार में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में निवेशक, पर्यटन व्यवसाय, टूर ऑपरेटर्स, होटल इंडस्ट्री से जुड़े देश के 400 से ज्यादा व्यवसायी, कर्मचारी व हितधारक शामिल होंगे। कॉन्क्लेव के पहले दिन ग्वालियर-चंबल के साथ सागर संभाग के पर्यटन स्थलों को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके बाद इंवेस्टर्स इन पर चर्चा करेंगे। कार्यक्रम में दूसरे व अंतिम दिन शनिवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव, केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर शामिल होंगे। साथ ही संस्कृति और धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) धर्मेंद्र सिंह लोधी, अभिनेता पीयूष मिश्रा और फैसल मलिक भी शामिल होंगे। सीएम डॉ. यादव के सामने पर्यटन इंडस्ट्रीज में इंवेस्टमेंट को लेकर करार होंगे। मध्यप्रदेश पर्यटन विभाग ने संभावना जताई है कि इस कॉन्क्लेव से चार हजार करोड़ के निवेश मिल सकता है। ग्वालियर-चंबल एवं सागर क्षेत्र की पर्यटन क्षमताओं को पहचानते हुए प्रदेश में पर्यटन निवेश को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से यह रीजनल टूरिज्म कॉन्क्लेव आयोजित की जा रहा है। गौरतलब है कि मध्य प्रदेश टूरिज्म बोर्ड द्वारा 11 से 13 अक्टूबर-2025 तक भोपाल में मध्य प्रदेश ट्रैवल मार्ट का आयोजन किया जाएगा।

अनुबंध और साझेदारियों से होगा पर्यटन का विकास

मध्य प्रदेश पर्यटन विभाग के प्रमुख सचिव शिव शेखर शुक्ला ने बताया कि कॉन्क्लेव में पर्यटन विकास को गति देने के लिए कई अहम करार होंगे। होटल, रिसोर्ट, वेलनेस और ईको-टूरिज्म क्षेत्र के निवेशकों को लेटर ऑफ अवॉर्ड प्रदान किए जाएंगे। पारंपरिक संगीतज्ञों, लोक कलाकारों और पर्यटक ग्रामों के कलाकारों की क्षमता निर्माण के लिए ग्वालियर की मान सिंह तोमर यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू होगा।

जापान दौरे के पहले दिन प्रधानमंत्री मोदी ने भारत-जापान आर्थिक फोरम में शिरकत

जापान तकनीक, तो भारत टैलेंट का पावर हाउस, मेक इन इंडिया, मेक फॉर वर्ल्ड

टोक्यो ■ एजेंसी

भारत-जापान आर्थिक फोरम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन जापानी भाषा के साथ शुरू किया। उन्होंने वहां की भाषा में लोगों का अभिवादन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि जापान टेक्नोलॉजी में पावरहाउस है, तो वहीं भारत टैलेंट का पावरहाउस है। टेक्नोलॉजी और टैलेंट ही विकास का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत और जापान में सहयोग की अपार संभावनाएं हैं।

उन्होंने कहा, मैं आज सुबह ही टोक्यो पहुंचा हूं। मुझे बहुत खुशी है कि मेरी यात्रा की शुरुआत बिजनेस जगत के दिग्गजों के साथ हो रही है। भारत की विकास यात्रा में जापान हमेशा एक अहम पार्टनर रहा है। मेट्रो से लेकर मैन्युफैक्चरिंग तक, सेमीकंडक्टर से स्टार्टअप्स तक हर क्षेत्र में हमारी साझेदारी आपसी विश्वास का प्रतीक बनी हैं। जापानी कंपनियों ने भारत में 40 बिलियन डॉलर से ज्यादा का निवेश किया है। मात्र पिछले 2 वर्षों में 30 बिलियन डॉलर का प्राइवेट इन्वेस्ट हुआ है।

पीएम मोदी ने कहा, पिछले 11 वर्षों में भारत के अभूतपूर्व परिवर्तन से आप सभी भलीभांति परिचित हैं। आज भारत में राजनीतिक स्थिरता है, आर्थिक स्थिरता है, नीति में में पारदर्शिता है, पूर्वानुमान की क्षमता है। आज भारत विश्व की सबसे तेज बढ़ने वाली अहम अर्थव्यवस्था है। भारत बहुत जल्द विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने जा रहा है। उन्होंने कहा कि 2017 में हमने एक राष्ट्र, एक कर लागू किया था। अब और भी बड़े सुधार लाने के प्रयास चल रहे हैं। कुछ ही हफ्ते पहले हमारी संसद ने एक सरलीकृत आयकर प्रणाली को मंजूरी दी है। हालांकि, हमारे सुधार केवल कराधान से कहीं आगे तक जाते हैं। हमारे सुधार केवल कर प्रणाली तक सीमित नहीं हैं। हमने व्यापार करने में आसानी पर बल दिया है। व्यापार के लिए एकल डिजिटल विंडो अप्रूवल की व्यवस्था की है।

आज दुनिया का भारत पर बढ़ा भरोसा

पीएम मोदी ने कहा, रक्षा और अंतरिक्ष जैसे संवेदनशील क्षेत्र पहले ही निजी क्षेत्र के लिए खोल दिए गए हैं। अब हम परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को भी खोल रहे हैं। इन सुधारों के पीछे विकसित भारत बनाने का हमारा संकल्प निहित है। हमारी प्रतिबद्धता दृढ़ विश्वास और स्पष्ट रणनीति पर आधारित है। दुनिया ने इसे पहचाना है। आज दुनिया सिर्फ भारत पर नजर नहीं रख रही है, बल्कि भारत पर भरोसा कर रही है। एसएंडपी ग्लोबल ने दो दशक बाद भारत की क्रेडिट रेटिंग अपग्रेड की है। उन्होंने कहा कि ऑटो सेक्टर में हमारी भागीदारी बेहद सफल रही है। हम साथ मिलकर वही मैजिक, बैटरीज, रोबोटिक्स, सेमी-कन्डक्टर, शिप-बिल्डिंग और परमाणु ऊर्जा में भी दोहरा सकते हैं। साथ मिलकर हम ग्लोबल साउथ, विशेषकर अफ्रीका के विकास में अहम योगदान दे सकते हैं।

रिन्यूएबल एनर्जी का लक्ष्य : पीएम मोदी ने कहा, भारत ने एआई, सेमीकंडक्टर, क्वांटम कम्प्यूटिंग, बायोटेक और अंतरिक्ष में साहसिक और महत्वाकांक्षी कदम लिए हैं। जापान की तकनीक और भारत का टैलेंट मिलकर इस सदी के तकनीकी क्रांति का नेतृत्व कर सकते हैं। भारत तेजी से 2030 तक 500 गीगावाट रिन्यूएबल एनर्जी के लक्ष्य की ओर है।

पीएम मोदी का स्वागत मेरे लिए सम्मान की बात: शिगेरु इशिबा
जापान के प्रधानमंत्री शिगेरु इशिबा ने पोस्ट कर कहा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का जापान में स्वागत करना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं महामहिम के साथ विभिन्न क्षेत्रों में जापान-भारत संबंधों को मजबूत करने पर चर्चा करने के लिए उत्सुक हूं।

पिता ने घोषित किया था 51 हजार का इनाम

7 दिन से लापता इंदौर की श्रद्धा तिवारी शादी करके पति के साथ पहुंची थाने

इंदौर ■ अमृत दर्शन

इंदौर की 7 दिन से लापता श्रद्धा तिवारी शादी कर लौट आई है। एमआईजी पुलिस थाने में पति के साथ पहुंचकर श्रद्धा ने लव मैरिज करने की जानकारी दी। दो दिन पहले ही उसके पिता ने श्रद्धा पर 51 हजार का इनाम घोषित किया था। 23 अगस्त को कॉलेज के सिलसिले में श्रद्धा तिवारी घर से निकली थी, लेकिन जब वह देरशाम तक नहीं लौटी तो परिजन को चिंता सताने लगी।

अचानक घर से चले जाने के बाद पुलिस लगातार उनकी तलाश कर रही थी। गुरुवार देर रात पुलिस को सूचना मिली कि श्रद्धा मंदसौर में है और उसने अपने माता-पिता से भी संपर्क किया है। लोकेशन मिलने के बाद पुलिस ने उससे संपर्क किया और देर रात को पति के साथ श्रद्धा इंदौर के एमआईजी पुलिस थाने में पहुंची। श्रद्धा के लापता होने के बाद उनकी इंस्टाग्राम आईडी भी डिलीट हो गई थी, जिससे परिजनों की चिंता और बढ़ गई थी। परिजनों ने श्रद्धा की खोज के लिए एक टोटका भी किया था, जिसके तहत उन्होंने उसकी उल्टी फोटो घर में टांग दी थी।

भोपाल में सीएम से मिले थे परिजन

इंदौर एमआईजी थाना पुलिस श्रद्धा और उसके पति से पूछताछ कर रही है। परिजन ने श्रद्धा का पता पबाने वाले के लिए 51 हजार रुपए का इनाम घोषित किया था। भोपाल पहुंचकर उन्होंने मुख्यमंत्री मोहन यादव से मुलाकात की। बेटी को ढूंढने के लिए प्रशासन से गुहार लगाई थी।

घर में डांट से नाराज होकर घर छोड़ा था

पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि माता-पिता की डांट से नाराज होकर श्रद्धा ने घर छोड़ा था। इस वक्त उसे अपना प्रेमी उसकी सबसे ज्यादा देखभाल करने वाला लगा और उसने उससे शादी करने का निर्णय लिया। सीसीटीवी फुटेज में श्रद्धा अपने घर के पास से जाती दिखी थी। एक गली से निकलकर एमआर-4 की ओर जाती नजर आई। हालांकि, मोबाइल घर छोड़ जाने से श्रद्धा की लोकेशन ट्रेस नही कर पाए।

तमिल अभिनेता विशाल ने धनशिका के साथ की सगाई

नई दिल्ली। तमिल अभिनेता विशाल ने एक्ट्रेस साई धनशिका के साथ सगाई कर ली। इसकी जानकारी खुद विशाल ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए दी। इसमें उन्होंने अपनी सगाई की तस्वीरें साझा की हैं। अपने इंस्टाग्राम पर सगाई की तस्वीरें साझा करते हुए एक्टर विशाल ने लिखा, 'इस ब्रह्मांड के कोने-कोने से आए सभी प्रियजनों को मेरे खास जन्मदिन पर शुभकामनाएं और आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद। आज साई धनशिका के साथ हुई अपनी सगाई की खुशखबरी अपने परिवार वालों के साथ साझा करते हुए मुझे खुशी हो रही है। मैं बहुत ही खुश महसूस कर रहा हूं।

अंतमना उवाच

पर्वों के पर्वराज का दूसरा चरण- उत्तम मार्दव
अहंकारी वो कागज के समान है, जो रोता नहीं बस रूला देता है - फिर वो प्रेम पत्र हो, या रिजल्ट हो, या मेडिकल रिपोर्ट हो।

णमोकार मंत्र का उपासक अहंकार कैसे कर सकता है..!
क्योंकि जहाँ णमोकार है, वहाँ अहंकार नहीं और जहाँ अहम है, वहाँ अर्हम् नहीं।

णमोकार और अहंकार दोनों विपरीत धारायें हैं -
- *णमोकार पूरब है, तो अहंकार पश्चिम।*
- *णमोकार उत्तर है, तो अहंकार दक्षिण।*

*दोनों एक साथ नहीं रह सकते। **कभी आपने ध्यान दिया या चिंतन किया - णमोकार में पाँच बार णमो शब्द आया है।** इसलिए आचार्यों ने पांच बार णमो शब्द को प्रयोग किया- कि*

*अहंकार बहुत जटिल है, मीठा बदमाश है, इसलिए पांच बार णमो बोलकर नमन किया जिससे हमारा अहंकार चूर चूर हो जाये। **पांच बार नमन से, चोट की अहंकार पर।** णमोकार मंत्र की फुहार से अहंकार का हिमालय पिघल सकता है। **अहंकार का पिघलना, गलना, मिटना ही उत्तम मार्दव धर्म है।** अहंकार से मुक्ति का एक ही उपाय है- णमोकार मंत्र को अन्त:करण से जपो और अपनों से अपेक्षा मत रखो। **फिर देखो चेहरे और चारित्र में कैसे निखार आता है...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

अमेरिकी राष्ट्रपति पर भड़के अर्थशास्त्री

ट्रंप का टैरिफ ऐसा, जैसे कोई चूहा हाथी को मार रहा

वॉशिंगटन ■ एजेंसी

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाकर घर में ही घिर गए हैं। कई अमेरिकी अर्थशास्त्री इसे अमेरिकी अर्थव्यवस्था और अमेरिकी विदेश नीति के लिए आत्मघाती कदम बता रहे हैं। अब अमेरिकी अर्थशास्त्री रिचर्ड वोल्फ ने एक कदम आगे बढ़ते हुए दावा किया है कि ट्रंप द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने के फैसले से ब्रिक्स संगठन मजबूत होगा।

उन्होंने कहा कि ट्रंप अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहे हैं। रिचर्ड वोल्फ ने कहा कि संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, भारत अब दुनिया का सबसे बड़ा देश है। अमेरिका का भारत को ये बताना कि उसे क्या करना है, ये ऐसा है जैसे कोई चूहा, हाथी को मुक्का मार रहा हो।

मराठा आरक्षण: मनोज जरांगे का अनशन शुरू

मुंबई। मराठा आरक्षण को लेकर महाराष्ट्र में आंदोलन फिर तेज हो गया है। मराठा आरक्षण आंदोलन के नेता मनोज जरांगे अपने हजारों समर्थकों के साथ शुक्रवार सुबह मुंबई के आजाद मैदान में अनशन पर बैठ गए। वे आज ही सुबह समर्थकों के साथ मुंबई पहुंचे थे। बुधवार को उन्होंने जालना जिले के अंतरवाली सराटी गांव से पदयात्रा शुरू की थी। करीब 400 किमी का सफर तय करने के बाद यात्रा जब मुंबई पहुंची तो वाशी में उनका जोरदार स्वागत हुआ। जरांगे ने चेतावनी दी है कि अपनी मांगे पूरी होने तक वे नहीं हटेंगे। उनके आंदोलन को देखते हुए मुंबई में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई है।

रुद्रप्रयाग-चमोली-टिहरी में फटा बादल एक महिला की मौत, कई लापता

देहरादून ■ एजेंसी

उत्तराखंड में अलग-अलग जगहों पर बादल फटने की घटनाएं सामने आई हैं। रुद्रप्रयाग जिले के टेंडवाल गांव में मलबे में दबने से एक महिला की मौत हो गई। जबकि 18 से 20 लोग यहां लापता बताए जा रहे हैं। वहीं चमोली जिले के देवाल ब्लॉक में भी बादल फटा है। जिसमें पति-पत्नी लापता हैं और दो लोग घायल हो गए, साथ ही 20 मवेशी मलबे में दबे हैं। टिहरी के भिलंगना ब्लॉक के गेंवाली गांव पर भी बादल फटा है। गनीमत यह रही कि यहां किसी भी प्रकार की जनहानि की सूचना नहीं है। इसके अलावा रुद्रप्रयाग में भी बादल फटा है। यहां जखोली ब्लॉक के छेनागाड़, बांगर सहित कई जगहों पर अतिवृष्टि से व्यापक नुकसान हुआ है। गुरुवार को देर रात से हो रही तेज बारिश शुक्रवार को भी जारी है। रात को तहसील देवाल के मोपाटा में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। कुछ घरों के मलबे में दबे होने की सूचना है।

गालीकांड पर लाठीयुद्ध... बीजेपी कार्यकर्ताओं का कांग्रेस दफ्तर पर हंगामा

पीएम मोदी पर अभद्र टिप्पणी को लेकर पटना में बवाल

पटना ■ एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को राजद और कांग्रेस की संयुक्त रैली में अपशब्द कहे जाने को लेकर शुक्रवार को भाजपा कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान भाजपा और कांग्रेस कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ की गई अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में कांग्रेस कार्यालय पर धावा बोल दिया।

कांग्रेस नेताओं ने आरोप लगाया कि भाजपा कार्यकर्ता कांग्रेस कार्यालय का गेट तोड़कर अंदर घुस गए और लाठियां बरसाईं। कार्यालय में खड़ी गाड़ियों में तोड़फोड़ की और ईंट पत्थर भी चलाए। इसमें कुछ कांग्रेस कार्यकर्ताओं को चोटें भी आई हैं। एक कार्यकर्ता का सिर फट गया। भाजपा नेताओं ने सदाकत आश्रम तक मार्च किया और राहुल गांधी तथा इंडिया गठबंधन के अन्य नेताओं के खिलाफ नारेबाजी की। इस प्रदर्शन के दौरान बीजेपी कार्यकर्ताओं ने पटना में कांग्रेस प्रदेश मुख्यालय सदाकत आश्रम में तोड़फोड़ की।

कांग्रेस पर जमकर बरसे अमित शाह

कहा- माफी मांगें राहुल गांधी

गुवाहाटी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने गुवाहाटी में कहा, कांग्रेस नेताओं ने अपनी घुसपैठिया बचाओ यात्रा के दौरान पीएम मोदी की मां के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल करके बेहद निंदनीय कृत्य किया है। दो दिन पहले जो हुआ, उससे सभी को दुख पहुंचा है। पीएम मोदी की मां ने एक गरीब घर में जीवन जिया, अपने बच्चों को मूल्यों के साथ पाला। ऐसे जीवन के लिए अपशब्दों का इस्तेमाल करना भारत की जनता कभी बर्दाश्त नहीं कर सकती। राजनीतिक जीवन में इससे बड़ी कोई गिरावट नहीं हो सकती। मैं राहुल गांधी से आग्रह करना चाहता हूं कि अगर उनमें जरा भी शर्म बची है, तो उन्हें पीएम मोदी, दिवंगत मां और देश की जनता से माफी मांगनी चाहिए। ईश्वर सभी को सद्बुद्धि दे। कांग्रेस जितनी ज्यादा गाली पीएम मोदी को देंगे, उतना ज्यादा कमल खिलेगा और बड़ा होगा।

सीजेआई ने सुप्रीमकोर्ट के दो न्यायाधीशों को दिलाई शपथ

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारत के मुख्य न्यायाधीश बीआर गवई ने शुक्रवार को बॉम्बे हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश आलोक अराधे और पटना उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश विपुल मनुभाई पंचोली को शपथ दिलाई। दोनों न्यायाधीशों को 27 अगस्त को सर्वोच्च न्यायालय में पदोन्नत किया गया था। उनकी पदोन्नति के साथ सर्वोच्च न्यायालय में मुख्य न्यायाधीश सहित 34 न्यायाधीशों की पूर्ण कार्य क्षमता फिर से पूरी हो गई। जस्टिस जॉयमाल्या बागची के 2 अक्तूबर, 2031 को सेवानिवृत्त होने के बाद न्यायमूर्ति पंचोली अक्तूबर 2031 में मुख्य न्यायाधीश बनने की कतार में होंगे। उनके 3 अक्तूबर, 2031 को मुख्य न्यायाधीश का पदभार ग्रहण करने और 27 मई, 2033 को सेवानिवृत्त होने का अनुमान है।

संक्षिप्त समाचार

इंदौर हाईकोर्ट के रिटायर्ड जस्टिस शम्भू सिंह का निधन

राजगढ़। राजगढ़ जिले की खिलचीपुर तहसील के ग्राम ढाबला निवासी और इंदौर हाईकोर्ट के रिटायर्ड न्यायमूर्ति शम्भू सिंह (85) का गुरुवार देर रात निधन हो गया। वह लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे और इंदौर के अरविंदो अस्पताल में भर्ती थे। तबीयत बिगड़ने पर डॉक्टरों ने उन्हें वेंटिलेटर पर रखा, लेकिन हालत गंभीर बनी रही। शुक्रवार रात परिजन उन्हें वेंटिलेटर एम्बुलेंस से पैतृक गांव ढाबला लेकर आए, जहां रात 11:58 बजे उन्होंने अंतिम सांस ली। परिवार के अनुसार जस्टिस शम्भू सिंह का अंतिम संस्कार शुक्रवार दोपहर 1 बजे पैतृक गांव ढाबला में होगा। निधन की खबर फैलते ही गांव और पूरे क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। बड़ी संख्या में लोग गांव पहुंचकर शोकाकुल परिवार को सांत्वना दे रहे हैं।

लव जिहाद में फंडिंग के आरोपी कादरी ने किया सरेंडर

इंदौर। लव जिहाद फंडिंग मामले में तीन माह से फरार चल रहे आरोपी पार्षद अनवर कादरी शुक्रवार को जिला कोर्ट में पेश हुआ। पुलिस की मौजूदगी में जब वह कोर्ट पहुंचा, तो वहां मौजूद लोगों का आक्रोश फूट पड़ा। भीड़ ने उसकी ओर मारपीट के इरादे से बढ़ने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए उसे चारों ओर से घेरकर कोर्ट कक्ष तक सुरक्षित पहुंचाया। अनवर कादरी पर ?20,000 का इनाम घोषित था। वह लंबे समय से फरार था और पुलिस उसे गिरफ्तार नहीं कर सकी थी। उसकी तलाश में दिल्ली सहित कई स्थानों पर छापेमारी भी की गई थी। इसी मामले में उसकी बेटी आयशा को दिल्ली से गिरफ्तार किया गया था, हालांकि बाद में उसे जमानत मिल गई। अनवर को पार्षद पद से हटाने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी गई है। महापौर परिषद की बैठक में इसके लिए प्रस्ताव को मंजूरी मिल चुकी थी।

दलित सरपंच की ने की कलेक्टर से शिकायत

सीहोर। सीहोर के ग्राम पंचायत अहमदपुर के सरपंच आशीष अहिरवार ने कलेक्टर को शिकायती पत्र सौंपा है। उन्होंने आरोप लगाया है कि कन्या शाला अहमदपुर के प्राचार्य एमए अंसारी उन्हें स्कूल से जुड़ी कोई जानकारी नहीं देते हैं। सरपंच के मुताबिक स्कूल में होने वाले किसी भी कार्यक्रम में उन्हें आमंत्रित नहीं किया जाता। स्कूल में चल रहे विकास कार्यों और उनके लिए आवंटित धनराशि की जानकारी भी नहीं दी जाती। हाल ही में स्कूल में साइकिल वितरण कार्यक्रम हुआ, लेकिन उन्हें इसकी सूचना तक नहीं दी गई। आशीष अहिरवार ने बताया कि वह अनुसूचित जाति से हैं और उन्हें लगता है कि इसी कारण उनके साथ यह भेदभाव किया जा रहा है।

पुलिस ने तांत्रिक दोस्तों को उठाया, तो लौट आया युवक

ग्वालियर। ग्वालियर के माधौगंज थाना चौराहे से 20 अगस्त को लापता हुआ विक्की उर्फ विकास शिवहरे 28 अगस्त की शाम को घर लौट आया। युवक ने लापता होने के दो दिन बाद परिजनों को एक वीडियो भेजा था, जिसमें खुद पर कर्ज होने से परेशान होने की बात कही थी। पुलिस युवक को पूछताछ के लिए आज बुलाएगी। लापता की सूचना के बाद पुलिस युवक की तलाश में जुटी थी, तभी 24 अगस्त को पनिहार थाना क्षेत्र के रेलवे ट्रैक से एक डीकंपोज बॉडी मिली।

बालाजी सनातन मठ में विराजे बप्पा, इत्र लगाकर उतारी आरती

छतरपुर ■ निसं

बागेश्वर महाराज इन दिनों मुंबई की तीन दिवसीय यात्रा पर हैं, जहां बागेश्वर बालाजी सनातन मठ में गणेश उत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। मठ में भगवान गणेश की स्थापना और संध्या आरती में महाराज ने भाग लिया तथा भक्तों को सिद्ध अभिमंत्रित भभूति वितरित की। बागेश्वर महाराज इन दिनों महाराष्ट्र के मुंबई शहर की यात्रा पर हैं। इस तीन दिवसीय यात्रा में बागेश्वर बालाजी सनातन मठ में गणेश उत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

मठ में बुधवार को सुबह विधि-विधान से आचार्यों के द्वारा पूजन किया गया और भगवान श्री गणेश जी को विराजमान किया गया। पूरा देश इन दिनों गणेश भगवान की भक्ति में लीन है और बागेश्वर बालाजी सनातन मठ में भी भगवान गणेश विराजमान हो चुके हैं। भगवान गणेश की संध्या कालीन आरती में बागेश्वर महाराज शामिल हुए और बागेश्वर बालाजी के दर्शन कर भगवान गणेश की आरती की। प्रथम संध्या कालीन रात्रि आरती में महाराज शामिल हुए।

अभिमंत्रित भभूति वितरित की गई: मठ में आए हुए हजारों श्रद्धालु भक्तों को सिद्ध अभिमंत्रित भभूति वितरित की गई और रात में भजन संध्या का आयोजन किया गया। भिवंडी क्षेत्र के आसपास के कलाकार दिन और रात में पहुंचे, जहां उनके द्वारा भजन संध्या की प्रस्तुति दी गई।

भक्तों को सुनाया भजन: इस दौरान बागेश्वर महाराज भी भजन संध्या में बागेश्वर बालाजी का भजन सुनते हुए नजर आए और उन्होंने सामने बैठे भक्तों को भजन सुनाया। महाराज के भजनों पर सभी भक्त थिरकते नजर आए।

दक्षिण भारत के सनातनी सुनेंगे हनुमंत कथा: बागेश्वर महाराज आज रात अपनी दक्षिण भारत, चेन्नई की यात्रा के लिए हवाई मार्ग से प्रस्थान करेंगे। वहां कल 29, 30 और 31 अगस्त को श्री हनुमंत कथा के माध्यम से दक्षिण भारत में रहने वाले सनातनियों को रसपान करवाएंगे। यह बागेश्वर महाराज की पहली कथा है, जो दक्षिण भारत के चेन्नई शहर में आयोजित की जा रही है। यहां एक दिवसीय हनुमान जी का दिव्य दरबार भी आयोजित किया जाएगा।

एमपी के 13 जिलों में आज बारिश का अलर्ट

खंडवा में गणेश पांडाल पर बिजली गिरी, एक मौत, तीन नाबालिग झुलसे

खंडवा ■ निसं

मध्यप्रदेश में बारिश के दो स्ट्रॉन्ग सिस्टम एक्टिव हैं। इस वजह से शुक्रवार को इंदौर, नर्मदापुरम और जबलपुर संभाग के 13 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट है। मौसम विभाग के अनुसार, अगले 3 दिन तक प्रदेश में तेज बारिश का दौर जारी रहेगा।

इससे पहले गुरुवार को खंडवा के खरखरी गांव में गणेश पांडाल पर बिजली गिर गई। इससे एक नाबालिग की मौत हो गई। बाकी तीन नाबालिग घायल हैं। ये सभी बारिश से बचने के लिए पांडाल में रुके थे। मौसम विभाग ने जिन जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है, उनमें धार, अलीराजपुर, बड़वानी, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा, बैतूल, छिंदवाड़ा, पांढुर्णा, सिवनी, मंडला और बालाघाट शामिल हैं। यहां ढाई से साढ़े 4 इंच तक पानी गिर सकता है।

सीनियर मौसम वैज्ञानिक डॉ. दिव्या ई. सुरेंद्रन ने बताया- मानसून टर्फ और लो प्रेशर एरिया (कम दबाव का क्षेत्र) की वजह से गुरुवार को भोपाल, इंदौर समेत प्रदेश के कई जिलों में बारिश का दौर बना रहा। ऐसा ही मौसम अगले 24 घंटे के दौरान भी देखने को मिलेगा।

रायसेन में पौने 2 इंच बारिश हो गई जबकि छिंदवाड़ा में सवा इंच पानी गिरा। गुना, इंदौर, शाजापुर, धार, उज्जैन, दमोह, खजुराहो, मंडला, उमरिया समेत कई जिलों में भी बारिश हुई।

गुना-मंडला में 53 इंच से ज्यादा पानी गिरा: इस बार बारिश के मामले में गुना सबसे बेहतर है। यहां औसत 53.8 इंच पानी गिर चुका है। वहीं, मंडला में 53.3 इंच बारिश हुई है। अशोकनगर में 50.9 इंच, शिवपुरी में 50.1 इंच और श्योपुर में 50.2 इंच बारिश हुई है।

वहीं, सबसे कम बारिश वाले 5 जिलों में सभी इंदौर संभाग के हैं। इंदौर सबसे आखिरी में है। यहां अब तक औसत 17.8 इंच बारिश हुई है। बुरहानपुर में 20.1 इंच, खरगोन में 19.5 इंच, खंडवा में 20.9 इंच और बड़वानी में 20.5 इंच पानी गिरा है।

भोपाल, इंदौर-रायसेन में सड़कें बनीं तालाब

इससे पहले गुरुवार को तेज बारिश होने से भोपाल, इंदौर और रायसेन की सड़कें तालाब बन गईं। भोपाल के कई इलाकों में सड़कों पर एक से दो फीट तक पानी भर गया। पीएचक्यू के पीछे छोटा तालाब किनारे की सड़क पर पानी भरने से लंबा जाम लग गया। पुराने शहर में भी जलभराव जैसे हालात बने रहे।

ग्वालियर, चंबल-सागर सबसे बेहतर

एमपी में जब से मानसून एंटर हुआ, तब से पूर्वी हिस्से यानी जबलपुर, रीवा, सागर और शहडोल संभाग में तेज बारिश हुई है। छतरपुर, मंडला, टीकमगढ़, उमरिया समेत कई जिलों में बाढ़ आ गई। इसके अलावा ग्वालियर-चंबल में भी मानसून जमकर बरसा है। यहां के 8 जिलों में से 7 में कोटे से ज्यादा पानी गिर चुका है। इनमें ग्वालियर, शिवपुरी, गुना, अशोकनगर, भिंड, मुरैना और श्योपुर शामिल हैं। दतिया में भी 96 प्रतिशत से अधिक बारिश हो चुकी है।

एमपी में अब तक 36.2 इंच बारिश: प्रदेश में 16 जून को मानसून ने आमद दी थी। तब से अब तक औसत 36.2 इंच बारिश हो चुकी है। अब तक 29.6 इंच पानी गिरना था। इस हिसाब से 6.6 इंच पानी ज्यादा गिर चुका है।

प्रदेश की सामान्य बारिश औसत 37 इंच है। इस हिसाब से कोटे की 90 प्रतिशत तक बारिश हो चुकी है। 0.8 इंच बारिश होते ही इस बार भी बारिश का कोटा फुल हो जाएगा। पिछली बार 44 इंच से ज्यादा पानी गिरा था।

रपटा पार करते नदी में बहे बाइक सवार, जीजा तैरकर आया बाहर, साला लापता

रतलाम ■ निसं

जिले के बाजना थाना क्षेत्र के ग्राम झरनिया के समीप स्थित तेलनी नदी की रपट पार करते समय एक युवक व उसके जीजा बाइक सहित नदी में गिरकर बह गए। जीजा तो कुछ दूर जाकर तैरते हुए नदी से बाहर निकल आए, लेकिन उनका साला (युवक) और बाइक नदी में कहीं बह गया। करीब 34 घंटे बाद भी साले और बाइक का पता नहीं चल पाया। एसडीआरएफ टीम, पुलिस, परिजन और ग्रामीण उसकी तलाश में जुटे हुए हैं।

जानकारी के अनुसार लक्ष्मण डोडियार पिता कालू डोडियार निवासी ग्राम डावर ने पुलिस को बताया कि 27 अगस्त को उनका दामाद 19 वर्षीय राजेश चारेल पिता हकरू चारेल निवासी ग्राम जाम्बुवालिया मिलने के लिए उनके घर आया था। रात में खाना खाने के बाद राजेश व उसका साला 20 वर्षीय राहुल डोडियार बाइक से घूमने निकले थे। वे ग्राम लालपुरा और मानपुरा होते हुए ग्राम झरनिया गए थे। रास्ता में झरनिया के पास तेलनी नदी की पुलिया पार करते समय दोनों बाइक सहित गिरकर नदी में बह गए। कुछ समय बाद राजेश ने फोन कर उसके पिता को बताया कि वह राहुल के साथ बाइक सहित नदी में बह गए थे। वह तो बाहर निकल आया है लेकिन राहुल व बाइक पानी में बह गई है।

उधर, राजेश चारेल ने भी पुलिस को बताया कि वह तथा उनका साला राहुल डोडियार 27 अगस्त की रात दस बजे बाइक पर घुमने निकले थे। रात करीब 11.45 बजे झरनिया नदी पार करते समय संतुलन बिगड़ने से नदी में बह गए थे। वह तीन-चार किलोमीटर दूर तक तैरता हुआ गया और बाहर निकल आया लेकिन राहुल व बाइक का पता नहीं चल पाया। गुरुवार सुबह सूचना मिलन पर सैलाना एसडीओपी नीलम बघेल और बाजना थाना प्रभारी रणजीत सिंह मकवाना व अन्य पुलिस अधिकारी तथा बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंचे।

पुलिस ने एसडीआरएफ की टीम को बुलवाया टीम के सदस्यों ने बोट की मदद से नदी में काफी दूर तक खोजबीन की लेकिन राहुल डोडियार नहीं मिला। शाम को अंधेरा होने से खोज अभियान बंद कर दिया गया था। शुक्रवार सुबह से पुन- खोज अभियान शुरू किया गया लेकिन राहुल डोडियार सुबह 10 बजे तक नहीं मिल पाया था।

जबलपुर में आरपीएफ ने पकड़े दो नकली किन्नर

बधाई के नाम पर करते थे वसूली, पुलिस को देख ट्रेन के बाथरुम में बदल लेते थे कपड़े

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर-इटारसी के बीच नकली किन्नरों का गिरोह सक्रिय है। ये बधाई या तीज-त्योहार के नाम पर यात्रियों से वसूली करते हैं और पैसे न देने या कम देने पर अभद्रता करते हैं। जबलपुर आरपीएफ ने गुरुवार रात मदनमहल स्टेशन के पास से दो नकली किन्नरों को पकड़ा है, जिन्होंने सोमनाथ एक्सप्रेस में यात्रियों से मारपीट की थी। आरोपी पन्ना जिले के निवासी हैं और नरसिंहपुर में किराए का कमरा लेकर रहते हैं।

जबलपुर आरपीएफ प्रभारी सुजीत कुमार को रेल कंट्रोल से सूचना मिली कि वेरावल-जबलपुर सोमनाथ एक्सप्रेस में दो किन्नरों ने अवैध वसूली को लेकर यात्री के साथ मारपीट की है।

सूचना पर आरपीएफ की टीम मदनमहल पहुंची और नरसिंहपुर निवासी शिकायतकर्ता यात्री विनोद जैन से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि विवाद करने वाले दो किन्नर नरसिंहपुर से जबलपुर के बीच ट्रेन में चढ़े थे। आरपीएफ की टीम सक्रिय हुई और उमेश कुमार दहायत और उसके भाई रजनीश कुमार दहायत को मदनमहल स्टेशन के पास से पकड़ा।

जबलपुर में 57 में से 6 और घोड़ों की मौत

मालिक ने हैदराबाद वापस भेजने की अनुमति मांगी, 13 की मौत पहले ही हुई

जबलपुर ■ निसं

हैदराबाद से जबलपुर लाए गए घोड़ों की मौत का सिलसिला थमा नहीं है। बीते दो सप्ताह में 6 और घोड़ों की मौत हुई है, जबकि पहले ही 57 में से 13 घोड़ों की जान जा चुकी थी। अब तक कुल 19 घोड़ों की मौत हो गई है। हैरानी की बात यह है कि यह सब उस समय हुआ जब पशुपालन विभाग के डॉक्टर और अधिकारी 24 घंटे निगरानी में तैनात थे।

घोड़ों की मौत पेट दर्द और अन्य कारण से हुई: नोडल अधिकारी डॉ. ज्योति तिवारी के अनुसार घोड़ों की देखरेख के लिए लगातार डॉक्टरों की टीम तैनात है। उन्होंने जानकारी दी कि जिन घोड़ों की मौत हुई है, उनमें से दो की मौत सेप्टीसीमिया, दो की पैरेलिसिस, एक की कोलिक (पेट दर्द) और एक की रेस्पिरेटरी फेल्योर (सांस लेने में तकलीफ) के कारण हुई है। बाकी घोड़ों का इलाज भी जारी है।

नोडल अधिकारी ने स्पष्ट किया कि अब तक किसी भी घोड़े में ग्लैंडर्स बीमारी की पुष्टि नहीं हुई है। जो घोड़ा नंबर 644 संदिग्ध था, वह अब पूरी तरह स्वस्थ है। उन्होंने यह भी बताया कि घोड़ों के मालिक ने कुछ घोड़ों को वापस हैदराबाद ले जाने की अनुमति मांगी है।

5 मई को सड़क के रास्ते लाए गए थे 57 घोड़े: हैदराबाद से थोरो, काठियावाड़ी और मारवाड़ी प्रजाति के 57 घोड़े सड़क के रास्ते 5 मई को जबलपुर लाए गए थे। सभी को रैपुरा गांव में रखा गया। इनकी देखरेख के लिए स्टड फॉर्म मालिक सचिन तिवारी ने कुछ डॉक्टर और सेवक भी रखे। लेकिन 7 मई से 13 मई के बीच इनमें से 8 घोड़ों की मौत हो गई।

कुत्ता गुमने पर आरक्षक की पिटाई का मामला

पीड़ित की मेडिकल जांच हुई, 30 घंटे चला धरना

पत्नी ने थाने में दी आत्महत्या की चेतावनी

खरगोन ■ निसं

खरगोन में आरक्षक राहुल चौहान की कथित पिटाई मामले में आदिवासी समाज ने करीब 30 घंटे धरना दिया। यह घटना एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आरआई सौरभ कुशवाहा के कुत्ते के गुमने के बाद हुई थी। प्रशासन ने आदिवासी प्रतिनिधियों को आरक्षक की मेडिकल जांच और पत्नी के कथन दर्ज करवाने के आश्वासन पर आंदोलन समाप्त किया। मेडिकल रिपोर्ट गोपनीय है और कोर्ट में प्रस्तुत की जाएगी।

आरोप है कि आरआई सौरभ कुशवाहा ने कथित रूप से आरक्षक राहुल चौहान को बेल्ट और चप्पल से पीटा और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किया। घटना 23 अगस्त की रात को कुशवाहा के शासकीय निवास पर हुई। घटना का वीडियो वायरल हुआ, जिसमें राहुल ने अपने शरीर पर चोटों के निशान दिखाए।

कॉन्स्टेबल राहुल चौहान

आदिवासी संगठनों और कांग्रेस ने विरोध जताया

जाय आदिवासी युवा शक्ति और कांग्रेस सहित कई आदिवासी संगठनों ने हाईवे पर प्रदर्शन किया। कांग्रेस के तीन विधायक धरने में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने केवल निलंबन को पर्याप्त न मानते हुए स्ष्ट/स्ज्ञ एक्ट के तहत एफआईआर की मांग की।

दादा धूनीवाले दरबार में 20 तोला सोने-चांदी की आहुति

200 साड़ियों, 11 हजार लड्डू, 20 पीपा रसगुल्ले से हवन किया

नर्मदापुरम ■ निसं

नर्मदापुरम में दादा धूनीवाले दरबार में चल रहे अनुष्ठान में 20 तोला सोने और चांदी की आहुति दी गई। इसके अलावा हवन में 200 साड़ियां, चुनरियां, मगज के 11 हजार लड्डू, 20 पीपा रसगुल्ला, फल और पूजन सामग्री भी डाले गए। हवन कुंड की भस्म भक्तों को प्रसाद के रूप में बांटी गई।

ये अनुष्ठान नर्मदापुरम के हैप्पी मैरिज गार्डन में 10 जुलाई को गुरु पूर्णिमा पर शुरू हुआ था। समापन आज शुक्रवार शाम होगा। इससे पहले गुरुवार रात को आयोजित महाहवन और महाआरती में 10 हजार से ज्यादा श्रद्धालु पहुंचे। आयोजन परंपरागत %धूनीमाई% पद्धति से किया गया, जो दादाजी के समय से चली आ रही परंपरा का हिस्सा है। सेवादार दादा शिवानंद महाराज ने कहा- किसी धार्मिक अनुष्ठान में पहली बार ऐसी हवन सामग्री अर्पित की गई है। यदि कोई ऐसा करता है, तो उसे 7 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा। इस तरह के आयोजन का प्रमाण वीडियो के रूप में पेश करने पर 51 लाख रुपए का इनाम दिया जाएगा।

अब तक सवा किलो सोना, एक किलो चांदी की आहुति: सेवादार दादा शिवानंद महाराज ने बताया कि 51 दिन से जारी हवन में रोज काजू, किशमिश, बादाम, लड्डू और नारियल की आहुति दी जा रही है। हर गुरुवार को विशेष महाआरती और हवन होता है।

10 जुलाई से 29 अगस्त तक हर गुरुवार को 20 तोला सोना और चांदी के आभूषण की आहुति दी गई। अब तक करीब सवा किलो सोना और एक किलो चांदी की आहुति दी जा चुकी है। इस भस्म को प्रसादी के रूप में बांटा जाता है।

दादाजी सेवक साहब सिंह लोधी ने बताया- हवन के बाद धूनीमाई की भस्म को छान लिया जाता है। बड़े अवशेष नर्मदा नदी में विसर्जित कर दिए जाते हैं। बची भस्म को श्रद्धालुओं में बांट दिया जाता है।

चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लिया, स्वेच्छा से मिली सामग्री का उपयोग: शिवानंद महाराज ने बताया कि पूरे आयोजन में किसी भी श्रद्धालु से चंदा या आर्थिक सहयोग नहीं लिया गया। जो भी सामग्री उपयोग की गई, वह श्रद्धालुओं द्वारा स्वेच्छा से दी गई थी। इसी सामग्री का उपयोग दरबार में भंडारे और हवन के लिए किया गया।

51 दिन तक लगातार सुबह-शाम काशी से आए ब्राह्मणों ने रूद्राभिषेक, हवन और आरती की। दोनों समय भंडारे हुआ, जिसमें श्रद्धालुओं ने प्रसादी ग्रहण की।

शिवानंद महाराज ने कहा कि यदि उनका प्रवास नवरात्रि के समय नर्मदापुरम में रहेगा तो ब्राह्मणों द्वारा दुर्गा सप्तशती के अखंड पाठ कराए जाएंगे। अखंड ज्योति भी जलाई जाएगी।

ग्वालियर में बुजुर्ग की हत्या का तीसरा आरोपी पकड़ाया

ग्वालियर ■ निसं

ग्वालियर के हीरानगर में तीन महीने पहले हुई बुजुर्ग की गोली मारकर हत्या के मामले में फरार दस हजार रुपए के इनामी आरोपी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी जैसे ही अपने घर पहुंचने वाला था, उससे पहले ही पुरानी छावनी थाना पुलिस ने घेराबंदी कर उसे दबोच लिया।

इससे पहले इस मामले में दो अन्य आरोपियों को भी पुलिस हिरासत में ले चुकी है। आरोपी तीन महीने से फरार चल रहे थे। पुलिस ने पहले दो पकड़ाएं आरोपियों से दो कारें, एक पिस्टल और एक देसी कट्टा जब्त किया था।

आरोपियों पर था 10-10 हजार का इनाम: पुरानी छावनी थाना प्रभारी संतोष सिंह यादव ने बताया कि हीरा नगर में 3 महीने पहले बृजमोहन भदौरिया की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। हत्या के बाद आरोपी फरार हो गए थे।

दशलक्षण पर्व के दूसरा दिन का धर्म है - उत्तम मार्दव धर्म

- रवि सेठी, डीमापुर

मार्दव अर्थात् मृदु - परिणाम, कोमल परिणाम, अभिमान के विरोधी

आज तक पर - पदार्थों को अपना मानता हुआ कुल, जाति, रूप, धन, बल, ऐश्वर्य, तप, ज्ञान आदि की महिमा को गिनता हुआ, इनमें से रस लेता हुआ, इनके कारण ही अपनी महानता मानकर गर्व करता हुआ चला आ रहा है। झूठा है यह गर्व, जिसका कोई मूल्य नहीं है, कोई आधार नहीं है।

इन पदार्थों से अपनी महिमा व बड़प्पन की भिक्षा माँगने में ही गर्व करता आ रहा है। इनका मैं स्वामी हूँ, इनका मैं कर्ता हूँ, मेरे द्वारा ही इनका काम चल रहा है, ये सब मेरे लिए ही काम कर रहे हैं। इत्यादि झूठी कल्पनाओं के अंधकार में आज तू अपनी वास्तविक महिमा को भूल बैठा है, अपनी विभूति को न गिनकर भिखारी बन बैठा है।

लोक में भी दो प्रकार के अभिमान कहने में आते हैं -- एक स्वाभिमान और दूसरा सामान्य अभिमान अर्थात् पराभिमान।

मैं उत्तम कुल का हूँ क्योंकि मेरा पिता बड़ा आदमी है इत्यादि तो पराभिमान है क्योंकि पिता और पर की महिमा में झूठा अपनत्व किया जा रहा है। परंतु मेरा यह कर्तव्य नहीं क्योंकि मेरा कुल ऊँचा है, यह है स्वाभिमान क्योंकि अपने कर्तव्य की महिमा का मूल्यांकन करने में आ रहा है।

मान महा विष रुप,
करहि नीच-गति जगत में।
कोमल सुधा अनुप,
सुख पावे प्राणी सदा।।

काटजू अस्पताल में 'अमृत कलश' की शुरुआत

अब हर नवजात को मिलेगा मां के दूध का संबल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

गणेश चतुर्थी एवं कृष्ण जन्माष्टमी जैसे पर्वों के शुभ अवसर पर नवजात शिशुओं, विशेष रूप से समय से पूर्व जन्मे, कमजोर एवं बीमार बच्चों को मां के दूध द्वारा जीवनरक्षक पोषण प्रदान करने के उद्देश्य से डॉ. कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय, भोपाल में मानव मिल्क बैंक का शुभारम्भ किया गया।

डॉ. रचना दुबे, नोडल अधिकारी, के.एन.के चिकित्सालय ने बताया कि यह कदम उन नवजात शिशुओं के लिए आशा की किरण है जिन्हें किसी कारणवश अपनी मां का दूध नहीं मिल पाता। यह मिल्क बैंक माताओं के दान किए गए दूध को सुरक्षित रूप से पाश्चराइज कर नवजात शिशुओं को उपलब्ध कराने का कार्य करेगा। इससे शिशु मृत्यु दर में भी कमी आएगी और माताओं एवं बच्चों का स्वास्थ्य बेहतर बनाने में मदद मिलेगी। यह एक बहुत ही जरूरी और अच्छा कदम है जिससे कोई भी शिशु मां के दूध से वंचित न रहे।

यह सुविधा केवल डॉ.कैलाशनाथ काटजू चिकित्सालय में भर्ती मरीजों के लिए उपलब्ध होगी। मिल्क बैंक के शुभारम्भ अवसर पर चिकित्सालय के अधीक्षक डॉ. बलराम उपाध्याय, मिल्क बैंक इंचार्ज डॉ.स्मिता सक्सेना एवं अन्य सभी विशेषज्ञ, चिकित्सक एवं स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी मनोज द्विवेदी की पुत्रवधु का निधन

भोपाल। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एवं पब्लिक रिलेशन सोसाइटी ऑफ़ इंडिया भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष मनोज द्विवेदी की पुत्रवधु एवं यश द्विवेदी की धर्मपत्नी श्रीमती आक्रुति द्विवेदी का बीमारी के दौरान आज गुरुवार 28 अगस्त को दुखद निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा शुक्रवार 29 अगस्त 2025 को दोपहर 12 बजे निज निवास 127, गुड शेफर्ड कॉलोनी, कोलार रोड भोपाल से निकलेगी तथा अंतिम संस्कार भदभदा विश्राम घाट पर किया जाएगा। गौरतलब है कि श्रीमती आक्रुति द्विवेदी दूरसंचार विभाग भारत सरकार में कार्यरत थी। वह अपने पीछे एक बिटिया सहित भरा पूरा परिवार को छोड़ गईं।

दिल्ली में आकाश त्रिपाठी को मिली नई जिम्मेदारी

भोपाल। केंद्रीय प्रतिनियुक्ति पद पदस्थ मप्र कैडर के दो आईएएस अधिकारियों के विभागों में बदलाव किया गया है। डीओपीटी ने 17 आईएएस अधिकारियों के तबादला आदेश में मप्र कैडर के 1998 बैच के आईएएस अधिकारी आकाश त्रिपाठी अपर सचिव ऊर्जा मंत्रालय को प्रबंधक संचालक सोलर एनर्जी कार्पोरेशन ऑफ इंडिया (नवीन और नवकरणीय ऊर्जा मंत्रालय) के पद पर पदस्थ किया गया है। जबकि 1999 बैच के आईएएस अधिकारी पवन कुमार शर्मा को संयुक्त सचिव से अतिरिक्त सचिव के पद पर प्रमोट करते हुए अपर सचिव रक्षा मंत्रालय में ही पदस्थ किया गया है।

सहकारी संस्थाओं के व्यवसाय विविधीकरण पर राज्य स्तरीय कार्यशाला सम्पन्न

मप्र की सभी पैक्स समितियां डब्ल्यूडीआरए की सदस्य बनेंगी : मंत्री विश्वास सारंग

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने कहा कि हमारी अर्थव्यवस्था से गांव व किसान को जोड़ने की दिशा में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जो जन-धन योजना लागू की है, इसका मुख्य उद्देश्य गांव व किसान को देश की अर्थव्यवस्था से जोड़ना है। इसके सकारात्मक परिणाम आज हमारे सामने आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमारा देश प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व एवं केन्द्रीय सहकारिता मंत्री अमित शाह के मार्गदर्शन में निरंतर सहकार से समृद्धि'' के मूल मंत्र को साकार करने की दिशा में अग्रसर है।

मंत्री सारंग ने कहा कि इसका अनुसरण करते हुए हम स्वर्णिम मध्यप्रदेश के संकल्प के साथ मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में नवाचार के विभिन्न माध्यमों का प्रयोग करते हुए प्रदेश की प्रगति के लिये काम कर रहे हैं। मंत्री सारंग अपेक्स बैंक के समन्वय भवन में भांडागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण के माध्यम से सहकारी संस्थाओं के व्यवसाय विविधिकरण पर अपेक्स बैंक, सहकारिता विभाग एवं विनियामक प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यशाला को संबोधित कर रहे थे।

मंत्री सारंग ने कहा कि जब तक अर्थव्यवस?था आम आदमी के दरवाजे से नहीं निकलेगी, तब तक मजबूती नहीं होगी। उन्होंने कहा कि हम किसानों को समृद्ध करना चाहते हैं, तो पहले हमें पैक्स (प्राथमिक कृषि सहाकारी समितियों) को समृद्ध बनाने की दिशा में प्रयास करने होंगे। यह कार्यशाला निश्चित रूप से मील का पत्थर साबित होगी।

सारंग ने कहा कि जिला बैंक के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों से अपेक्षा करता हूँ कि वे मध्यप्रदेश की प्रत्येक पैक्स को डब्ल्यू.आर.डी.ए. (भांडागारण विकास और विनियामक प्राधिकरण) का सदस्य बनाने के प्रयास आज से ही आरंभ कर दें, जिससे कि आगे चलकर प्रदेश के किसानों को दूरदराज अंचलों में परेशान न होना पड़े व अपने नजदीकी डब्ल्यू.आर.डी.ए. के सदस्य वेयर हाउस में अपनी उत्पाद को सुरक्षित रख लाभान्वित हों, जब तक भण्डारण व्यवस्थित नहीं होगी, तब तक किसानों को उसका फायदा नहीं मिल सकेगा।

कार्यशाला में सारंग ने अपेक्स बैंक द्वारा प्रकाशित मानक परिचालन प्रक्रिया वेयर हाउसिंग डेव्हलेपमेंट एण्ड रेग्यूलेटरी अथॉरिटी की योजनान्तर्गत वेयर हाउस पंजीकरण की पुस्तक का विमोचन भी किया तथा प्रदेश में गोदाम बनाने की योजना पर कार्य करने के लिये स्टेट वेयर हाउसिंग प्रबंध संचालक अनुराग वर्मा, म.प्र. राज्य सहकारी संघ के प्रबंध संचालक ऋतुराज रंजन तथा सहकारिता विभाग के नवाचार प्रकोष्ठ के संयुक्त आयुक्त महेन्द्र दीक्षित को अधिकृत किया।

आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक मनोज पुष्प ने कहा कि अन्तर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के दौरान हम किसानों को प्रशिक्षित करें कि वे अपने उत्पाद को कैसे बेहतर ढंग से रख सकते हैं और डिजीटली किस प्रकार बेच सकते हैं, आज की यह कार्यशाला एग्रो प्रोसेसिंग व मार्केटिंग की दिशा में अत्यन्त उपयोगी है। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यक हुआ तो इस प्रकार की कार्यशाला हम संभाग व जिला स्तर पर भी आयोजित करेंगे।

कार्यशाला में अरूण कुमार वास्तव, सदस्य, डब्ल्यू.डी. आर.ए. ने कहा कि वर्ष 2051 तक हमारे देश की जनसंख्या 170 करोड़ हो जायेगी व मध्यप्रदेश की लगभग 12 करोड़, जो देश का लगभग 6.3 प्रतिशत होगी।

10वीं-12वीं में तुक्का सिस्टम बंद

कठिन सवाल बढ़ेंगे, मेहनत ही कराएगी पास

भोपाल ■ निसं

अब एमपी बोर्ड की पढ़ाई आसान नहीं रहने वाली है। इसमें नए बदलाव के संकेत मिल रहे हैं। शुरुआत कक्षा 10वीं और 12वीं के बोर्ड परीक्षा से होने जा रही है। वर्तमान शैक्षणिक वर्ष की आगामी फरवरी 2026 में होने वाली बोर्ड परीक्षाओं से ही इस बदलाव को लागू किया जा रहा है। जिससे मप्र बोर्ड की परीक्षा के स्तर को राष्ट्रीय स्तर के बराबर लाया जा सके। दरअसल, नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत सभी राज्यों के बोर्ड की परीक्षाओं का स्तर एक समान बनाने की दिशा पर जोर दिया जा रहा है। इसी कारण एनसीईआरटी की परख संस्था ने मप्र बोर्ड के स्कूलों का सर्वेक्षण किया था। जिसमें पाया गया कि एमपी बोर्ड की परीक्षाएं अन्य राज्य के बोर्ड की अपेक्षा अधिक सरल हैं। इसी वजह से 12वीं कक्षा के बाद दूसरे राज्यों के कॉलेज और यूनिवर्सिटी में पढ़ने में मप्र के बच्चों को परेशानी होती है। हालांकि अभी इसे केवल बोर्ड परीक्षाओं में लागू किया जा रहा है, आगे इसके परिणाम सफल रहे तो अन्य कक्षाओं में भी लागू किया जाएगा।

अब इतने प्रतिशत आएंगे कठिन सवाल: माध्यमिक शिक्षा मंडल के अधिकारियों ने बताया कि, 10वीं और 12वीं की बोर्ड परीक्षा में अब तक 15 प्रतिशत कठिन, 40 प्रतिशत सामान्य और 45 प्रतिशत सरल प्रश्न पूछे जाते थे। लेकिन अब इसमें बदलाव करते हुए कठिन प्रश्नों का प्रतिशत बढ़ाया गया है। एमपी बोर्ड की आगामी परीक्षा में 20 प्रतिशत कठिन, 40 प्रतिशत सामान्य और 40 प्रतिशत सरल प्रश्न पूछे जाएंगे। मास्टर ट्रेनर पवन द्विवेदी ने बताया कि, नई शिक्षा नीति के अनुसार शिक्षकों भी प्रश्न बनाने के लिए ट्रेनिंग दी जा रही है।

भोपाल। उच्च शिक्षा मंत्री इन्दर सिंह परमार ने, राष्ट्रीय विधि संस्थान विश्वविद्यालय(NLIU) में आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन ज्ञानोत्सव-2025 का शुभारम्भ किया।

बच्चों के अभिभावकों के अकाउंट में आएंगे स्कूल यूनिफॉर्म के रुपए

भोपाल ■ अमृत दर्शन

सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को इस बार मप्र सरकार खुद यूनिफॉर्म नहीं बांटेगी। इसके बजाय उनके अभिभावकों बैंक खातों में सीधे पैसे ट्रांसफर किए जाएंगे। योजना के तहत कक्षा 1 से 8वीं तक के लगभग 55 लाख छात्रों को यूनिफॉर्म के लिए 600 रुपए प्रति विद्यार्थी की राशि उनके अभिभावकों बैंक खातों में भेजी जाएगी, जिससे वो दो जोड़ी स्कूल यूनिफॉर्म खुद खरीद सकेंगे। ये लगातार दूसरा साल है जब सरकार बच्चों के अभिभावकों के खाते में सीधे रुपए जमा कराने जा रही है। हालांकि पहले सरकार खुद यूनिफॉर्म खरीदी करती थी और बांटती थी लेकिन इस प्रक्रिया को बदला गया है।

दरअसल, सरकारी स्कूलों में यूनिफॉर्म (गणवेश) वितरण को लेकर बनी असमंजस की स्थिति बनी हुई थी।

आत्म शुद्धि के पर्व में अभिषेक पूजा अर्चना

क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र- संस्कार सागर महाराज

भोपाल ■ अमृत दर्शन

दिगंबर जैन समाज के 10 दिवसीय पर्यूषण पर्व की शुरुआत क्षमा धर्म की आराधना के साथ की गई। मंदिरों में सुबह से ही भक्ति के साथ भगवान जिनेंद्र की आराधना की गई। संतों के सानिध्य में अभिषेक अष्ट द्रव्य से पूजा अर्चना की गई। श्रावकों ने व्रत उपवास के संकल्प लेकर भौतिक सुख सुविधाओं से दूर रहकर आत्म शुद्धि की आराधना शुरू की। नेमी नगर जिनालय में मुनि संस्कार सागर महाराज ने कहा क्षमा धर्म विश्व शांति का प्रबल मंत्र हैं,क्षमा से ही विश्व शांति है और क्षम से ही वात्सल्य है। अद्भुत है क्षमा शब्द जिससे सिर्फ आत्मीयता झलकती है। जीवन को पर्व में आध्यात्मिक श्रृंगार बनाकर संयम की सुंदरता धारण करो।

इस अवसर पर समिति के अध्यक्ष कोमलचंद जैन, कार्यकारिणी अध्यक्ष नेमीचंद जैन, वरिष्ठ उपाध्यक्ष तेज कुमार जैन, मंत्री अजीत ट्रांसपोर्ट, सह सचिव राजेश जैन छगन, कोषाध्यक्ष अजीत तलेनं, अजय धामंदा, राकेश टेलर, सुभाष निर्मल ट्रांसपोर्ट, यतेंद्र, योगेंद्र मनीष, अशोक, शुभम ,धर्मेंद्र, मांगीलाल, अभिषेक, राकेश जीजा, नीरज बैंक, राजुल महिला मंडल- माधुरी जैन, रानी जैन, रजनी जैन, रचना जैन, रेखा जैन, गुंजा जैन, बिंदिया जैन, बुलबुल जैन ,सोनम जैन, विनीत जैन, सर्वोदय बहू मंडल- सोनाली जैन, नेहा जैन, नीतू जैन, रजनी जैन, श्री नेमिनाथ भक्तामर मंडल- अध्यक्ष निर्मल जैन ट्रांसपोर्ट, टेलर राकेश, मनोज मिलावटी,अजीत ट्रांसपोर्ट ,योगेंद्र, प्रदीप जैन , मनीष जैन, अभिषेक जैन, गोविंद जैन, देवेंद्र जैन।

मोबाइल चोरी या गुम होने पर घबराएं नहीं, संचार साथी पर तुरंत करें रिपोर्ट

दूरसंचार विभाग ने मध्य प्रदेश में मोबाइल सुरक्षा, स्पैम नियंत्रण और 4जी विस्तार में हासिल की महत्वपूर्ण उपलब्धियां

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश एलएसए, भोपाल के अपर महानिदेशक दूरसंचार रामजी तिवारी ने गुरुवार को बताया कि दूरसंचार विभाग राज्य में दूरसंचार सुरक्षा और ग्रामीण कनेक्टिविटी को सुदृढ़ बनाने के लिए निरंतर प्रयासरत है और इसके लिए विभिन्न पहलें की जा रही हैं।

उन्होंने कहा कि दूरसंचार सुरक्षा एवं नागरिक जागरूकता के क्षेत्र में संचार साथी पोर्टल (www.sancharsaathi.gov.in) नागरिकों को कई सुविधाएं उपलब्ध करा रहा है। इसके माध्यम से नागरिक अपने नाम पर जारी मोबाइल कनेक्शनों की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, खोए/चोरी हुए मोबाइल की रिपोर्ट सीईआईआर पर दर्ज कर सकते हैं, मोबाइल हैंडसेट की सत्यता जांच सकते हैं तथा संदिग्ध/स्पैम कॉल और एसएमएस की रिपोर्ट भी कर सकते हैं।

विभाग द्वारा फाइनेंशियल फ्रॉड रिस्क इंडिकेटर प्रणाली शुरू की गई है, जिसके माध्यम से बैंकों, यूपीआई प्रदाताओं और अन्य वित्तीय संस्थानों को साइबर ठगी में प्रयुक्त मोबाइल नंबरों की पहचान करने में सहायता मिल रही है। इस उद्देश्य से मध्य प्रदेश में दूरसंचार विभाग, कानून प्रवर्तन एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की एक संयुक्त टास्क फोर्स गठित की गई है।

तिवारी ने आगे बताया कि मध्य प्रदेश में अब तक 1.24 लाख से अधिक डिवाइस ब्लॉक किए गए हैं, 80 हजार से अधिक डिवाइस ट्रेस किए गए हैं और 26,611 मोबाइल फोन रिकवर किए जा चुके हैं, जिनकी अनुमानित कीमत लगभग 10.35 करोड़ है।

राजधानी में 24 घंटे में 5 दुष्कर्म के प्रकरण दर्ज

भोपाल। राजधानी में महिलाओं के खिलाफ अपराधों का ग्राफ लगातार बढ़ता जा रहा है। बीते 24 घंटे में शहर के अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पांच दुष्कर्म के प्रकरण दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा झपटमारी की घटना भी सामने आई हैं। लगातार सामने आ रहे मामलों ने राजधानी में महिला सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अधिकारियों ने दावा किया है कि अपराधियों को जल्द गिरफ्तार किया जाएगा। थाना अयोध्यानगर क्षेत्र के क्रेशर बस्ती में गत 25 जनवरी को एक 28 वर्षीय युवती के साथ जबरन दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने फरियादिया की शिकायत पर आरोपी उमेश विश्वकर्मा के खिलाफ बीएनएस (भारतीय न्याय संहिता) की धारा 64 के तहत मामला दर्ज किया है। पीड़िता का बयान दर्ज कर मेडिकल कराया गया है, वहीं पुलिस आरोपी की तलाश में जुटी है। वहीं थाना गोविंदपुरा क्षेत्र के बरखेड़ा पठानी इलाके में 21 वर्षीय युवती ने आरोपी रोहित दांगी पर शादी का झांसा देकर दुष्कर्म करने का आरोप लगाया है।

ब्लू लाइन के लिए एलिवेटेड कॉरिडोर का काम शुरू

मेट्रो के लिये शहर में टूटेंगे 1200 मकान

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मेट्रो के लिये शहर में एक हजार से अधिक मकान टूटेंगे। ब्लू लाइन के मद्देनजर मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने काम शुरू कर दिया है। करीब 13 किमी निर्माण के लिये लगभग 1200 अधिक अतिक्रमणों को चिंहित कर नोटिस तैयार किए गए है। एक सप्ताह में इन्हें वितरित किया जाना है।

गौरतलब है कि ब्लू लाइन भदभदा से शुरू होकर रत्नागिरी तिराहा तक है। जबकि ओरेंज लाइन एम्स से करोद तक है। ओरेंज लाइन में सुभाष ब्रिज तक 6.22 किमी का काम पूरा हो चुका है और यहां अक्टूबर में कमर्शियल रन शुरू करने की तैयारी है। ब्लू लाइन में करीब 13 किमी लंबाई की एलिवेटेड लाइन बनना है। इसके पहले जेके रोड क्षेत्र में पीयर्स के लिए लोहे के जाल बिछने लगे है। पीयर्स पर ही स्लैब बिछेगी और यहां पटरियों का काम होगा।

नहीं हटाया तो होगी कार्रवाई: मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन की ओर से ब्लू लाइन से जुड़े निर्माणों के लिए नोटिस तैयार किए गए है। एक सप्ताह के दौरान संबंधितों को यह दे दिये जाएंगे। यदि इसके बाद भी नहीं हटाया गया तो इनको बल पूर्वक हटाने की तैयारी भी प्रशासन द्वारा की गई है।

दिसंबर में शुरू होगा अंडरग्राउंड स्टेशन का काम: नादरा बस स्टैंड और भोपाल जंक्शन पर भविष्य में बनने वाले अंडरग्राउंड स्टेशन का काम भी दिसंबर से शुरू करने की तैयारी है। नादरा बस स्टैंड के पास की जमीन से जुड़ा कोर्ट केस में मेट्रो कंपनी के पक्ष में फैसला हुआ है। इसलिए कंपनी ने टनल बोरिंग मशीन (टीबीएम) को दिसंबर में बुलाने का फैसला किया है। इस मशीन के आने के बाद दोनों अंडरग्राउंड स्टेशन पर टनल बोरिंग का काम शुरू कर दिया जाएगा। इस मेगा पैकेज में करोंद से एम्स के बीच 14.99 किमी ऑरेंज लाइन का निर्माण किया जाना है।

अक्टूबर में शुरू होगा कमर्शियल रन

सुभाष नगर से एम्स के बीच 7.65 किमी लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर अक्टूबर में कमर्शियल रन की तैयारियां हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका शुभारंभ करेंगे। इसको देखते हुए मेट्रो स्टेशन सहित दूसरे लंबित कार्य तेजी के साथ पूरे किये जा रहे हैं। बता दें कि इसके दूसरे चरण का काम में भी तेजी से किया जा रहा है। ऑरेंज लाइन के दूसरे चरण के तहत सुभाष नगर से करोंद के बीच 7.34 किमी लंबा ट्रैक बनाया जाना है। मेट्रो कंपनी प्रबंधन का कहना है कि यहां पियर्स खड़े करने का काम भी शुरू कर दिया गया है।

एम्स के अध्ययन में गुदा विदर के उपचार में होम्योपैथी की संभावनाओं के संकेत

भोपाल ■ अमृत दर्शन

एम्स भोपाल लगातार ऐसे अनुसंधानों में अग्रणी भूमिका निभा रहा है जिनका सीधा लाभ मरीजों तक पहुँचता है। हाल ही में एक अंतरराष्ट्रीय ख्यातिप्राप्त मेडिकल जर्नल में प्रकाशित अध्ययन ने तीव्र गुदा विदर से पीड़ित मरीजों के लिए उत्साहजनक परिणाम प्रस्तुत किए हैं। यह रोग अत्यधिक पीड़ादायक होता है और अक्सर इसके लिए शल्य चिकित्सा जैसी आक्रामक प्रक्रियाओं की आवश्यकता पड़ती है। यह शोध एम्स भोपाल के आयुष (होम्योपैथी) के मेडिकल अधिकारियों और सर्जरी विभाग के संकाय द्वारा किया गया, जिसमें डॉ. आशीष कुमार दीक्षित (आयुष - होम्योपैथी) और डॉ. मूरत सिंह यादव (जनरल सर्जरी) मुख्य अनुसंधानकर्ता रहे। अध्ययन में पियोनिया ऑफिसिनैलिस (पियोनिया ऑफिसिनैलिस) औषधि की उपयोगिता का आकलन किया गया। अध्ययन में 34 ऐसे मरीज शामिल किए गए जिन्हें तीव्र गुदा विदर का निदान किया गया था। इन मरीजों को तीन माह तक मौखिक रूप से पियोनिया ऑफिसिनैलिस औषधि दी गई तथा आहार संबंधी परामर्श भी दिया गया।

परिणामों में उल्लेखनीय सुधार देखा गया - दर्द में लगभग 99% की कमी आई (औसत 9/10 अंक से लगभग 0 तक), मल त्याग के दौरान होने वाला दबाव पूरी तरह समाप्त हो गया और जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार हुआ।

अनमोल वचन

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
अज्ञात

भविष्य केवल उनका है जो सपनों की सुंदरता में यकीन करते है।
एलेअनोर रूज़वेल्ट

पशु प्रेमियों के देश में वृद्ध जनों की दुर्दशा

निर्मल रानी

वैसे तो आवारा कुत्तों के पक्ष में और इसके ख़िलाफ़ भारतीय समाज पहले से ही विभाजित है। परन्तु इस विषय को लेकर ताज़ातरीन बहस की शुरुआत उस समय हुई जब माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने गत 11 अगस्त को दिल्ली–एनसीआर अर्थात दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद , नोएडा, फ़रीदाबाद, गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वत: संज्ञान लिया।

इन दिनों भारत में सड़क से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक आवारा कुत्तों को लेकर बड़ी बहस छिड़ी हुई है। वैसे तो आवारा कुत्तों के पक्ष में और इसके ख़िलाफ़ भारतीय समाज पहले से ही विभाजित है। परन्तु इस विषय को लेकर ताज़ातरीन बहस की शुरुआत उस समय हुई जब माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने गत 11 अगस्त को दिल्ली–एनसीआर अर्थात दिल्ली, ग़ाज़ियाबाद , नोएडा, फ़रीदाबाद, गुरुग्राम में आवारा कुत्तों की समस्या पर स्वत: संज्ञान लेते हुये दिल्ली नगर निगम व अन्य नगर निकायों को निर्देश दिया था कि वे 8 सप्ताह के भीतर सभी आवारा कुत्तों को पकड़ें और उन्हें स्थायी रूप से शेल्टर होम्स या पाउंड्स में रखें। अपने इस आदेश में सर्वोच्च न्यायलय ने कुत्तों को वापस सड़कों पर छोड़ने पर भी रोक लगाई थी ।चूँकि कुत्तों के काटने की घटनाओं में लगातार वृद्धि हो रही थी ख़ासकर बच्चों और बुज़ुर्गों पर कुत्तों के हमलों की शिकायतें बढ़ती जा रही थीं और इस संबंध में केवल दिल्ली में ही हज़ारों मामले दर्ज हो चुके थे और रेबीज़ से होने वाली मौतें में भी वृद्धि होती जा रही थी इसी के मद्देनज़र सर्वोच्च न्यायलय द्वारा स्वत: संज्ञान लेते हुये यह आदेश दिए गये थे। अपने आदेश में न्यायलय ने कहा था आर्टिकल 21 के तहत जीवन का अधिकार व नागरिकों की सुरक्षा प्राथमिकता है। इसी के साथ अदालत ने यह निर्देश भी दिया था कि आवारा कुत्तों के लिये शेल्टर होम्स बनाए जाएँ व कुत्तों को पकड़ने के लिए संसाधन भी जुटाये जायें। यहाँ तक कि इस अदालती निर्देश में बाधा डालने वाले पशु प्रेमियों व ग़ैर सरकारी संगठनों को दण्डित करने का भी निर्देश दिया गया था।

परन्तु इस जनहितकारी अदालती आदेश के बाद तो देश के कुत्ता प्रेमियों में कोहराम मच गया। मानव सुरक्षा को दरकिनार कर कुत्ता प्रेमियों द्वारा तर्क दिया जाने लगा कि शेल्टर होम्स में कुत्ते असुरक्षित रहेंगे। क्योंकि इंफ़्रास्ट्रक्चर की कमी के चलते लाखों कुत्तों को शेल्टर में रखना अव्यावहारिक है। इससे लाखों कुत्तों को क़ैद करने और संभावित रूप से मारने का ख़तरा बढ़ेगा। इसे एनिमल बर्थ कंट्रोल (डॉग्स) रूल्स, 2023 का उल्लंघन बताया जाने लगा। पशु प्रेमियों द्वारा इस अदालती आदेश को बहुत कठोर बताया जाने लगा। जगह जगह धरने प्रदर्शन शुरू हो गये। कुत्ता प्रेमी अदालती आदेश की अवहेलना करने पर आमादा दिखाई देने लगे। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मुद्दे पर 22 अगस्त 2025 को एक संशोधित आदेश जारी किया। सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच ने 11 अगस्त 2025 के मूल आदेश में बदलाव करते हुये नये निर्देश जारी किये। इन संशोधित निर्देशों में सुप्रीम कोर्ट द्वारा कहा गया कि कुत्तों को पकड़ना जारी रखें, लेकिन उन्हें स्टरलाइज़ (नसबंदी), डीवार्म (कीड़े निकालना) तथा वैक्सीनेट (टीका लगाना) करें।ग़ैर – आक्रामक (नॉन–एग्रेसिव) और गैर–संक्रमित (रेबीज़ मुक्त) कुत्तों को उसी इलाक़े में वापस छोड़ें। केवल रेबीज़ संक्रमित या आक्रामक कुत्तों को ही अलग शेल्टर में रखें। जबकि सड़कों पर खाना खिलाना प्रतिबंधित क़रार दिया गया। अदालत ने प्रत्येक वार्ड में समर्पित फ़ीडिंग स्पॉट बनाने व नोटिस बोर्ड लगाने का भी निर्देश दिया। यह भी निर्देशित किया गया कि पशु प्रेमी कुत्तों को गोद ले सकते हैं, लेकिन उन्हें सड़क पर नहीं छोड़ सकते। इन निर्देशों में बाधा डालने वाले कथित पशु प्रेमियों पर व्यक्तिगत तौर पर 25,000 तथा ग़ैर सरकारी संगठनों पर 2,00,000 रूपये जुर्माना लगाने का निर्देश दिया गया। जुर्माने से वसूली गई यह धनराशि शेल्टर होम बनाने में इस्तेमाल होगी। यह संशोधित आदेश पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, 1960 और ब्रष्ट रूल्स, 2023 पर आधारित है, जो पशुओं को मारने के बजाय स्टरलाइज़ेशन और वैक्सीनेशन पर ज़ोर देता हैं। परन्तु समाज के सामने सबसे बड़ी समस्या यह है कि नागरिक सुरक्षा और पशु कल्याण के मध्य संतुलन कैसे बिठाया जाये। पशु प्रेमी होने में कोई बुराई नहीं। परन्तु क्या पशु प्रेम विशेषकर कुत्ता प्रेम को मानव प्रेम पर तरजीह दी जा सकती है ? देश में रोज़ाना कुत्ते के काटने से सैकड़ों लोग बुरी तरह घायल होते हैं। अनेक की मौत हो जाती है। इनहीं कुत्तों की वजह से अनेक दुर्घटनायें होती हैं। स्कूल जाते बच्चों पर व असहाय बुज़ुर्गों पर आवारा कुत्ते घातक हमले कर देते हैं। उस समय इन कुत्तों से प्यार करने वाला कोई भी पशु प्रेमी सामने नहीं आता। उल्टे कई बार तो पीड़ित राहगीरों पर ही यह दोष मढ़ दिया जाता है कि वह उधर से गुज़रा ही क्यों ? या फिर पहले उसने कुत्ते को छेड़ा होगा आदि आदि। हद तो यह है कि कई बार यही कुत्ते अपने कुत्ता प्रेमी को ही काट लेते हैं। निश्चित रूप से कुत्तों को दोष इसलिए नहीं दिया जा सकता कि उनकी प्रवृति ही हिंसक है। इसलिये कुत्तों के काटने भोंकने या उनके पीछे दौड़ने की संभावना से इंकार नहीं किया जा सकता। हालांकि कुत्तों की वफ़ादारी से भी इंकार नहीं किया जा सकता। कुत्तों को तो मनुष्य से भी अधिक वफ़ादार माना जाता है। परन्तु उनकी हिंसक प्रवृत्ति को नकारना और कुत्ता प्रेम की शर्त पर मानव सुरक्षा से समझौता करना भी तर्कसंगत नहीं।

इसी संदर्भ में एक बात और भी ध्यान देने योग्य है कि जिस तरह सर्वोच्च न्यायलय के गत 11 अगस्त के आदेश के बाद देश के कुत्ता प्रेमी सड़कों पर उतर आये और अपने पशु प्रेमी होने का प्रदर्शन करने लगे यहाँ तक कि कई कुत्ता प्रेमी तो अदालती आदेश को लेकर रोते पीटते भी दिखाई दिये वास्तव में यदि इसी स्तर पर समग्र भारतीय समाज में मानव प्रेम की भावना होती तो शायद आज देश में कहीं भी वृद्धाश्रम की ज़रुरत न होती। वृंदावन में लाखों विधवाएं अपने भाग्य पर आंसू न बहा रही होतीं। अयोध्या,मथुरा व काशी जैसे अनेक धर्म स्थान बुज़ुर्ग व असहाय भिखारियों से भरे न होते। देश के स्टेशन व फ़ुट पाथ पर बड़ी संख्या में निराश्रित लोग नज़र न आते। यानी पशु प्रेमियों के इस देश में कम से कम वृद्ध जनों की ऐसी दुर्दशा देखने को तो न मिलती?

(यह लेखिका के व्यक्तिगत विचार हैं इससे संपादक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है)

सम्पादकीय

अदाणी-अंबानी ओर मोदी ट्रंप के वर्चस्व में फंसा भारत

कॉर्पोरेट वार का असर राजनीति एवं व्यापार में भारत की राजनीति और कॉर्पोरेट जगत का रिश्ता हमेशा से चर्चा का विषय रहा है। उद्योगपतियों और सत्ता के बीच के समीकरणों ने कई बार सरकार की नीतियों को प्रभावित किया है। मौजूदा दौर में यह रिश्ता केवल व्यापारिक एवं राजनीतिक समीकरणों तक सीमित नहीं रहा। बल्कि सीधी टकराहट की शक्ल लेता हुआ दिख रहा है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा वंतारा जू मामले में एसआईटी का गठन और उसमें वित्तीय व कानूनी अनियमितताओं की जांच का जो आदेश दिया है उसके बाद यह टकराव सतह पर आ गया है। अनिल अंबानी के घर और कार्यालयों में ईडी और सीबीआई के छापे वर्चस्व की लड़ाई के रूप में देखे जा रहे है। मुकेश अंबानी का नाम भारत में सबसे प्रभावशाली कॉर्पोरेट घराने के रूप में लिया जाता है। यह भी कहा जाता है, 2012 में मुकेश अंबानी के कारण ही भारत के राजनीति की दिशा बदली। प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी का नाम सामने आया। उस समय कॉरपोरेट जगत और अमेरिका ने वैश्विक व्यापार संधि को लेकर जो अवरोध भारत में बने थे। उसको ठीक करने के लिए अमेरिका की सरपरस्ती और रिलायंस की ताकत के बल पर 2014 में नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बने थे। रिलायंस समूह दूरसंचार से लेकर पेट्रोलियम और रिटेल तक हर क्षेत्र में फेला हुआ है। जब अमेरिका के राष्ट्रपति बराक ओबामा थे उसे समय मुकेश अंबानी का व्यापार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बड़ी तेजी के साथ फैला था। मुकेश अंबानी और रिलायंस समूह की राजनीतिक प्रशासनिक एवं न्यायपालिका से नजदीकियां हमेशा सुर्खियों में रही हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कई बार रिलायंस के मंच पर पंहुचे। जियो लॉन्च से लेकर अस्पताल उद्घाटन के कार्यक्रम में मोदी पहुंचे। अब तस्वीर तेजी के साथ बदल रही है। अदालत के हस्तक्षेप और जांच एजेंसियों की सक्रियता ने संकेत दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुकेश अंबानी के संबंध इन दिनों ठीक नहीं चल रहे हैं। कॉर्पोरेट ताकत पर सियासी नियंत्रण का दौर शुरू हो गया है। इसके पीछे जो मुख्य कारण बताया जा रहा है उसमें ट्रंप के नजदीकी सलाहकार के रूप में मुकेश अंबानी ने अपनी भूमिका तय कर ली है वहीं गौतम अडानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के काफी नजदीक हैं। टैरिफ बार को लेकर ट्रंप और मोदी जी के बीच में जो तनातनी चल रही थी। उसमें मोदी जी को शायद लगता था, मुकेश अंबानी उनकी मदद करेंगे। लेकिन मुकेश तटस्थ रहे, यह तटस्थता गौतम अडानी को लेकर थी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में जिस तरह से गौतम अडानी को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हर तरह का समर्थन दिया है। उसके बाद से ही रिलायंस समूह की दूरियां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ दिखने लगी थी। अडानी समूह, रिलायंस समूह से आगे निकलने की दौड़ में आ गया था। दरअसल, यह टकराव महज व्यापारिक, कानूनी या प्रशासनिक नहीं है। इसके पीछे राजनीति की भी बड़ी मजबूरियां हैं। विपक्ष लगातार आरोप लगाता रहा है, सत्ता और कॉर्पोरेट का गठजोड़ भारत के लोकतंत्र को कमजोर कर रहा है। ऐसे समय यदि सत्ता ही कॉर्पोरेट को कठघरे में खड़ा करने लगेगी। इससे यह संदेश जाता है, कि सरकार अब कॉरपोरेट से अपनी दूरी बनाकर पल्ला झाड़ना चाहती है। अंतरराष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस संघर्ष को नया आयाम मिला है। रूस–यूक्रेन युद्ध के दौरान सस्ते तेल से रिलायंस को हुए मुनाफे पर वैश्विक स्तर पर अमेरिका ने चुप्पी साध रखी है। वही अडानी सहित भारत की अन्य कंपनियों पर अमेरिका ने टैरिफ और प्रतिबंध लगाए हैं। यूरोप की अन्य एजेंसियां भी तेल के कारोबार और मुनाफे पर नजर गड़ाए हुए हैं। भारत सरकार पर दबाव है, वह खुद को वैश्विक मंच पर पारदर्शी रखे। मुकेश अंबानी की ट्रंप के साथ विगत महीनो में नजदीकियां काफी बढ़ गई है। ट्रंप भारतीय उद्योगपति गौतम अडानी पर शिकंजा कस रहे हैं। टैरिफ के जरिए भारत पर दबाव बनाने की कोशिश कर रहे हैं। ऐसे में रिलायंस जैसी बड़ी कंपनी पर सरकार द्वारा जो कार्रवाई की जा रही है। उसे वर्तमान सत्ता की मजबूरी और रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। सबसे अहम सवाल यह है, क्या कॉर्पोरेट साम्राज्य वाकई सत्ता को चुनौती देने की स्थिति में है। सत्ता क्या कॉर्पोरेट जगत को सीमाओं में बांधने की स्थिति में है? भारत की राजनीति पिछले 2 दशकों से पूंजी और कारपोरेट के गठजोड़ पर टिकी है। पहली बार यह गठजोड़ डगमगाता हुआ नजर आ रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के अनुसार 12 सितंबर तक वन्य तारा की जांच रिपोर्ट प्रस्तुत की जाना है। सुप्रीम कोर्ट में 15 सितंबर को इस मामले की अदालत में सुनवाई की तारीख निश्चित है। सुप्रीम कोर्ट का फैसला तय करेगा, यह टकराव केवल प्रतीकात्मक है। या वास्तव में भारत की राजनीति और कॉर्पोरेट संबंधों में नया अध्याय लिखा जाएगा। भारत में जिस तरह की स्थिति वर्तमान बनी हुई है। उसमें एक ओर मुकेश अंबानी और गौतम अडानी हैं। अंतरराष्ट्रीय और भारत के संबंधों को लेकर एक तरफ अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप हैं। दूसरी तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं। इसके बाद सबसे ज्यादा चर्चाओं में अजीत डोभाल और विदेश मंत्री एस जयशंकर हैं। जिनके इर्द–गिर्द भारत की राजनीति व्यापार और सैन्य समीकरण को लेकर क्या स्थिति बनेगी। इसको लेकर अभी कुछ कह पाना मुश्किल है। फिर भी जो हालात देश में बन रहे हैं। वह भारत के लिए कहीं से भी अच्छे नहीं कहे जा सकते हैं। भारत एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रहा है। इसमें कुछ हो सकता है।

ध्यानचंद की हॉकी स्टिक में था 'जादू'!

योगेश कुमार गोयल

उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे।

योगेश कुमार गोयल

प्रतिवर्ष 29 अगस्त को भारत में हॉकी के पूर्व कप्तान मेजर ध्यानचंद के जन्मदिन को 'खेल दिवस' के रूप में मनाया जाता है। उत्तर प्रदेश के इलाहाबाद में 29 अगस्त 1905 को जन्मे ध्यानचंद हॉकी के ऐसे महान् खिलाड़ी और देशभक्त थे कि उनके करिश्माई खेल से प्रभावित होकर जब एक बार जर्मनी के तानाशाह हिटलर ने उन्हें अपने देश जर्मनी की ओर से खेलने का न्यौता दिया तो ध्यानचंद ने उसे विनम्रतापूर्वक ठुकराकर सदा अपने देश के लिए खेलने का प्रण लिया। हालांकि उन्हें बचपन में खेलने का कोई शौक नहीं था और साधारण शिक्षा ग्रहण करने के बाद वे सोलह साल की आयु में दिल्ली में सेना की प्रथम ब्राह्मण रेजीमेंट में सिपाही के रूप में भर्ती हो गए थे। सेना में भर्ती होने तक उनके दिल में हॉकी के प्रति कोई लगाव नहीं था। सेना में भर्ती होने के बाद उन्हें हॉकी खेलने के लिए प्रेरित किया हॉकी खिलाड़ी सूबेदार मेजर तिवारी ने, जिनकी देखरेख में ही ध्यानचंद हॉकी खेलने लगे और बहुत थोड़े समय में ही हॉकी के ऐसे खिलाड़ी बन गए कि उनकी हॉकी स्टिक मैदान में दनादन गोल दागने लगी। उनकी हॉकी स्टिक से गेंद अक्सर इस कदर चिपकी रहती थी कि विरोधी टीम के खिलाड़ियों को लगता था, जैसे ध्यानचंद किसी जादुई हॉकी स्टिक से खेल रहे हैं। इसी शक के आधार पर एक बार हॉलैंड में उनकी हॉकी स्टिक तोड़कर भी देखी गई कि कहीं उसमें कोई चुम्बक या गोंद तो नहीं लगा है लेकिन किसी को कुछ नहीं मिला। उन्हें अपने जमाने का हॉकी का सबसे बेहतरीन खिलाड़ी माना जाता है, जिसमें गोल करने की कमाल की क्षमता थी। भारतीय ओलम्पिक संघ द्वारा ध्यानचंद को शताब्दी का खिलाड़ी घोषित किया गया था।

1922 में सेना में भर्ती होने के बाद से 1926 तक ध्यानचंद ने केवल आर्मी हॉकी और रेजीमेंट गेम्स खेले। उसके बाद उन्हें भारतीय सेना टीम के लिए चुना गया, जिसे न्यूजीलैंड में जाकर खेलना था। उस दौरान हुए कुल 21 मैचों में से उनकी टीम ने 18 मैच जीते जबकि दो मैच ड्रा हुए और केवल एक मैच उनकी टीम हारी। मैचों में ध्यानचंद के सराहनीय प्रदर्शन के कारण भारत लौटते ही उन्हें लांस नायक बना दिया गया और उन्हें सेना की हॉकी टीम में स्थायी जगह मिल गई। 1928 में एम्सटर्डम में होने वाले ओलम्पिक के लिए भारतीय टीम का चयन करने हेतु भारतीय हॉकी फेडरेशन द्वारा टूर्नामेंट का आयोजन किया गया, जिसमें कुल पांच टीमों ने हिस्सा लिया। ध्यानचंद को सेना द्वारा यूनाइटेड प्रोविंस की ओर से टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति मिल गई और अपने शानदार प्रदर्शन के चलते उन्हें ओलम्पिक में हिस्सा लेने वाली टीम में जगह मिल गई। 1928, 1932 और 1936 के ओलम्पिक खेलों में ध्यानचंद ने न केवल भारत का नेतृत्व किया बल्कि लगातार तीनों ओलम्पिक में भारत को स्वर्ण पदक भी दिलाए।

दो बार के ओलम्पिक चैम्पियन केशव दत्त का ध्यानचंद के बारे में कहना था कि वह हॉकी के मैदान को उस ढ़ंग से देख सकते थे, जैसे शतरंज का खिलाड़ी चेस बोर्ड को देखता है। इसी प्रकार भारतीय ओलम्पिक टीम के कप्तान रहे गुरूबख्श सिंह का कहना था कि 54 साल की उम्र में भी ध्यानचंद से भारतीय टीम का कोई भी खिलाड़ी बुली में उनसे गेंद नहीं छीन सकता था। मेजर ध्यानचंद ने 43 वर्ष की उम्र में वर्ष 1948 में अंतर्राष्ट्रीय हॉकी को अलविदा कहा। हॉकी में बेमिसाल प्रदर्शन के कारण ही उन्हें सेना में पदोन्नति मिलती गई और वे सूबेदार, लेफ्टिनेंट तथा कैप्टन बनने के बाद मेजर पद तक भी पहुंचे और 1956 में 51 वर्ष की आयु में सेना से मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए। उसी वर्ष उन्हें भारत सरकार द्वारा पद्मभूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। सेवानिवृत्ति के बाद वे माउंट आबू में हॉकी कोच के रूप में कार्यरत रहे और बाद में कई वर्षों तक पाटियाला के नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ स्पोर्ट्स में चीफ हॉकी कोच बन गए। 3 दिसम्बर 1979 को उन्होंने दिल्ली के एम्स में अंतिम सांस ली। अपने कैरियर में उन्होंने अंग्रेजों के खिलाफ एक हजार से भी ज्यादा गोल दागे। भारत सरकार द्वारा मेजर ध्यानचंद के सम्मान में वर्ष 2002 में नेशनल स्टेडियम का नाम बदलकर मेजर ध्यानचंद राष्ट्रीय स्टेडियम कर दिया गया। ध्यानचंद इतने महान हॉकी खिलाड़ी थे कि वियना के स्पोर्ट्स क्लब में उनकी चार हाथों में चार हॉकी स्टिक लिए एक मूर्ति लगाई गई है और उन्हें एक देवता के रूप में दर्शाया गया है। भारत में उनके जन्मदिन को 'राष्ट्रीय खेल दिवस' घोषित किया गया है और इसी दिन विभिन्न खेलों में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को राष्ट्रीय पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

(लेखक 35 वर्षों से साहित्य एवं पत्रकारिता में निरन्तर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार तथा कई पुस्तकों के लेखक हैं)

आत्म ज्ञान अत्यंत सरल है

आभास जैन
(अधिवक्ता एवं विचारक)

मैं कौन हूं में क्या हूं में क्यों हूं ये ज्वलंत जिज्ञासा प्रत्येक चिंतन शील चेतना को चिंतित करती है परंतु जिन्होने इन प्रश्नों के उत्तर खोजें है वे चाहकर भी इसका अनुभव किसी अन्य को नहीं करा सके । यधपि उसे पाने के बिषय में उन्होंने उसकी अनेक शाब्दिक व्याख्यायें की हैं लेकिन उसके अनुभव को मनुष्य ने अर्तदृष्टि का जागरण करने के पश्चात ही जाना है । आत्म साक्षात्कार का साधारण अर्थ मात्र स्वयं का अध्ययन ही है, खुद की किताब को खुद पढ़ लेना ही संभवत: आत्म ज्ञान है । ये मानव की सहज वृत्ति है वह सरल को छोड़कर कठिन के आकर्षण में बंधा रहता है और हमेशा कठिन को पाने के लिए जूझता रहता है, क्योंकि कठिन से लड़ने में मनुष्य को आनंद आता है और कठिन से जीतने पर मनुष्य के अवचेतन मन के अहंकार का तृप्ति करण भी होता है, कुछ ऐसी ही हमने आत्म ज्ञान अर्थात सम्यक दर्शन के संबंध में धारणा बना रखी है। सम्यक दर्शन एक ऐसा अनुभव है जो प्रत्येक पंचइंद्रिय संज्ञीय मनुष्य का अधिकार है महर्षि रमण का एक सूत्र है ''आत्म ज्ञानं अति सुलभं'' जो सदा सर्वदा हमारे साथ है आखिर उसकी पहचान में क्या बाधा हो सकती है वो तत्व जो सुख और दुख का अनुभव करता है, हम वही तत्व हैं ! जब मैं स्वयं वही हूं तो मेरा मुझसे परिचय क्यों नहीं है आखिर ये कैंसा रहस्य है जिसे सब जटिल कहते हैं आगम कहता है सबसे अधिक सम्यक दर्शन नर्क में नारकीय जीवों को होता है जब नारकीयों को हो सकता है, जब पशुओं को हो सकता है तो संज्ञी पंचइंद्रिय मनुष्यों के लिए ये साधारण अनुभव असाधारण क्यों हैं कहीं ऐसा तो नहीं हम जिसे शहर में तलाश रहे हैं वह हमारे ही घर में ही बैठा हो । ऐसा भी तो हो सकता है कि आत्म अनुभव हमें हो परंतु हमें पता ही न हो, क्योंकि इसकी कोई विशिष्ट अभिव्यक्ति तो है नहीं । हमें परंपरायें सदियों से यही सिखा रही हैं कि ये कठिन है, इसे पाना है, तो ये करो–वो करो और हमारी अवचेतना ने भी यही मान लिया कि ये तो विशिष्ट और बिरलों को ही प्राप्त हो सकता है । एक बार इस भाव को त्याग कर देखो जब जो होना है और वो होकर रहेगा तो होने को होने दो फिर स्वयं करने को क्या बचा । मेरे अनुभव में तो चेष्टा बाधक है, अब नदिया पर बांध बांधने की जरूरत क्या है, निर्बाध बहने दो उसे । सागर की एक बूंद का स्वाद सारे सागर के जल के स्वाद का ज्ञान करा देती है। आत्मा का अनुभव मात्र स्वयं का अनुभव नहीं अपितु संपूर्ण संसार के जीव तत्व का अनुभव है, जब मैं ही हूं तो मैं के अस्तित्व का मैं से एकाकार हो जाना ही क्षूद्र का विराट हो जाना है ।

चिंतन-मनन

व्यक्तित्व निर्माण की प्रक्रिया

बदलाव का प्रम निरंतर चलता है। जैन दर्शन इस प्रम को पर्याय–परिवर्तन के रूप में स्वीकार करता है। पर्याय का अर्थ है अवस्था ।प्रत्येक वस्तु की अवस्था प्रतिक्षण बदलती है ।यह जगत की स्वाभाविक प्रक्रिया है। कुछ अवस्थाओं को प्रयत्नपूर्वक भी बदला जाता है ।स्वभाव से हो या प्रयोग से, बदलाव की प्रक्रिया को बदलना संभव नहीं है। वस्तु बदल सकती है तो व्यक्ति भी बदल सकता है। इस आस्थासूत्र का आलंबन लेकर ही व्यक्ति व्यक्तित्व–निर्माण का लक्ष्य निर्धारित करता है। लक्ष्य निर्णीत होने के बाद उस दिशा में प्रस्थान करता है। आज का आदमी जेट युग की रफ्तार से चलता है। वह आकाश में सीढ़िया लगाने की बात सोचता है और समुद्र में सुरंग बनाने की कल्पना करता है ।पर व्यक्ति–निर्माण का काम शॉर्टकट मेथड से पलक झपकते ही हो जाए, यह संभव नहीं है। व्यक्तित्व निर्माण की बात होती है तो प्रश्न उठता है कि किस प्रकार का व्यक्तित्व? इस प्रश्न का समाधान है आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व। व्यक्तित्व निर्माण के इस अनुष्ठान में जिन वर्गों को सहभागी होना है, उनमें एक वर्ग है–स्नातक। एक विद्यार्थी स्नातक और स्नातकोत्तर स्तर का अध्ययन करने में अपने जीवन के सत्रह–अठारह वर्ष लगा देता है। उस समय उसके अभिभावकों के मन में यह भाव नहीं पैदा होता कि उसके ये वर्ष व्यर्थ तो नहीं बीत रहे हैं। क्योंकि डिग्री के साथ जीविका का संबंध जोड़ा जाता है। जीविका जीवन की अनिवार्यता है ।लेकिन जीविका से अधिक मूल्यवान जीवन है। जीविका जीवन का साध्य नहीं साधन है। जीवन का साध्य है– विकास की यात्रा में अग्रसर होना। बुद्धि व्यक्तित्व का महज एक घटक है। उसका दूसरा घटक है प्रज्ञा। प्रज्ञा के जागरण से बौद्धिक विकास के साथ भावनात्मक विकास का संतुलन रहता है ।जब ये दोनों विकास समानांतर होते हैं, तब आध्यात्मिक वैज्ञानिक व्यक्तित्व का निर्माण हो सकता है। इस बात को स्वयं विद्यार्थी अनुभव करे या नहीं, अभिभावकों को ध्यान देने की अपेक्षा है।

खास बात

हाईकोर्ट जजों को 3 महीने में फैसला सुनाने की अनिवार्यता

सुप्रीम कोर्ट की खंडपीठ ने रजिस्टार जनरल को आदेश दिया है। हाईकोर्ट में सुनवाई के बाद 3 महीने से ज्यादा फैसला सुरक्षित नहीं रखा जा सकता है। यदि फैसला 3 महीने से ज्यादा लंबित है। उसकी जानकारी सुप्रीम कोर्ट को दी जाए। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि फैसला ज्यादा लंबे समय तक लंबित रहता है। ऐसी स्थिति में लोगों का न्यायपालिका से भरोसा उठ जाता है। हाई कोर्ट के न्यायाधीश कहते हैं, वह सुप्रीम कोर्ट के अधीनस्थ नहीं है। आशा है सुप्रीम कोर्ट के इस निर्णय से आम जनता का न्यायपालिका पर भरोसा बढ़ेगा। हालांकि ऐसा होता हुआ दिख नहीं रहा है। सुप्रीम कोर्ट जो आदेश और निर्देश देती है। उसको ना तो सरकार मान रही है, ना ही सरकार के अधिकारी मान रहे हैं।

मोदी को युवाओं की नहीं, मित्रों की चिंता

राहुल गांधी इन दोनों वोट अधिकार यात्रा को लेकर बिहार में दौरा कर रहे हैं। बहन प्रियंका गांधी भी पहुंच गई हैं। उन्होंने कर्मचारी चयन आयोग परीक्षा के अभ्यर्थियों से कहा, प्रधानमंत्री मोदी को युवाओं की चिंता नहीं है। उन्हें तो बस अपने मित्रों की ही चिंता है। उन्होंने कहा मोदी सरकार चोरी करके सत्ता में आई है। मोदी जी युवाओं पर पुलिस की लाठी चलवाते हैं। मोदी डरपोक हैं, ऐसा लगता है। राहुल गांधी इन दोनों फुल चार्ज में है। हो भी क्यों ना, बिहार में उनके पीछे जनता उमड़ रही है। उत्साह तो होगा ही। मोदी पर अब कोई विश्वास नहीं कर रहा है। ऐसी स्थिति में अब राहुल विश्वास के नए प्रतीक बन गए हैं।

बिहार के चुनाव में प्रशांत किशोर

बिहार विधानसभा के चुनाव में इस बार प्रशांत किशोर अपना लंगोट जोरदारी के साथ घुमा रहे हैं। मीडिया में रोजाना नए–नए बयान दे रहे हैं। वह मीडिया के कारण सुर्खियों में आए थे। एक समय मीडिया उनसे नाराज हो गया था। उनकी इमेज बन गई थी जिसकी चाहें,उसकी सरकार बनवा सकते हैं। पिछले 12 वर्षों में उन्होंने घाट–घाट का पानी पी लिया है। मीडिया अब प्रशांत किशोर को कवर कर रहा है। बुद्धिजीवी प्रशांत किशोर को लगता है। बिहार में उनसे ज्यादा बुद्धिमान कोई नहीं है। जिसे चाहेंगे, उसे मुख्यमंत्री बनवा देंगे। वोट कटवा पार्टी के रूप में वह सब तरफ हाथ पैर मार रहे हैं। कितने सफल होंगे, कहां जगह मिलेगी,यह तो समय ही बताएगा।

नीतीश के स्वाभाविक सक्सेसर सम्राट चौधरी

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का यह आखिरी चुनाव है। भाजपा ने जिस तरह से नीतीश कुमार को घेर लिया है। बुढ़ापे की जो कमजोरियां हैं। वह उजागर हो चुकी है। ऐसी स्थिति में भाजपा अपना मुख्यमंत्री बनाने की तैयारी कर रही है। बिहार में जिस तरह की चर्चा है। उसके अनुसार जातीय समीकरण में सम्राट चौधरी मुख्यमंत्री पद के लिए सबसे अनुकूल हैं। सम्राट चौधरी का दावा भी नंबर एक पर चल रहा है। यह बात अलग है,जब मेंढक चढ़ने लगता है। तो सभी मेंढक मिलकर उसकी टांग पकड़ कर नीचे लाने का काम करते हैं। कई मेंढक उन्हें नीचे लाने के काम में लग गए हैं। रही सही कसर चुनाव आयोग पूरी कर देगा। राजनीति में जिसका नाम ज्यादा चलता है। वही धम्म में से आकर जमीन पर गिरता है। यह एक सत्य है।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, भादो शुक्ल पक्ष, वर्षा ऋतु, गुरु उदय पूर्वे शुक्रोदय पूर्वे तिथी, षष्ठी, शुक्रवासरे, सूर्य षष्ठी चंपा षष्ठी, सिंह बुध 31/19 कर्क शुक्र 45/45 जातकर्म, नामाकरण अन्नप्रासन्न सूती स्नान औषधि सेवन व्यापार तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल: आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, कुशल वक्ता-अधिवक्ता, शासक-प्रशासक, उद्योगपति, उत्तम वृत्ति वाला, योगी-भोगी, साधु-महात्मा, मठ-मंदिर बनाने वाला, शिक्षक, लेक्चरार, प्रोफेसर, प्रिंसपल, प्रबंधक, बैंक कर्मचारी होगा।

मेष- संसारिक धन की प्राप्ति, स्त्री सुख तथा कल्याणकारी कार्य बनेंगे, समाचार प्राप्त होगा।

वृष- अचानक संतान को श्रेष्ठ लाभ होगा, रोगों की वृद्धि से समय का लाभ लवें।

मिथुन- व्यर्थ की दौड़धूप होगा, संतान कष्ट होगा तथा शत्रु पराजित होंगे।

कर्क- वाहन से मानसिक कष्ट, व्यय, तनाव से मानसिक पीड़ा अवश्य ही होगा।

सिंह- जमीन-जायजाद तथा संतान से सुख की प्राप्ति होगी, योजना गुप्त रखें।

कन्या- यश, सुख की प्राप्ति होगी, संतान के कार्यों में यश प्राप्त होगा, रुके कार्य अवश्य ही बनेंगे।

तुला- मित्र व सहयोगियों से लाभ होगा, रोजगार का प्रस्ताव प्राप्त होगा, अर्थ व्यवस्था बिगड़ेगी।

वृश्चिक- अभिष्ट सिद्धी की प्राप्ति होगी, अधिकार प्राप्त होगा किन्तु खर्च से मन बेचैन रहेगा।

धनु- नये निर्माण की योजना पर धन व्यय होगा किन्तु लाभ अवश्य ही प्राप्त होगा।

मकर- व्यापार से आय का लाभ बराबर बना रहेगा तथा नवीन कार्य योजना की प्राप्ति होगी।

कुम्भ- अचानक कार्य लाभ होगा परंतु नई समस्या तत्काल ही खड़ी हो जायेगी।

मीन- नये कार्यों में में खर्च बढ़े, यात्रा, व्यापार से लाभ अवश्य ही होगा, ध्यान दें।

पीएल गौतमाचार्य

दैनिक पंचांग

29 अगस्त 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	सिंह में	कन्या	07.05 बजे से
चंद्र	तुला में	तुला	09.16 बजे से
मंगल	कन्या में	वृश्चिक	11.30 ब.से
बुध	कर्क में	धनु	13.46 बजे से
गुरु	मिथुन में	मकर	15.51 बजे से
शुक्र	कर्क में	कुंभ	17.38 बजे से
शनि	मीन में	मीन	19.11 बजे से
राहु	कुंभ में	मेष	20.41 बजे से
केतु	सिंह में	वृष	22.21 बजे से
		मिथुन	00.19 बजे से
राहुकाल 10.30 से 12.00 बजे तक		कर्क	02.33 बजे से
		सिंह	04.49 बजे से

शुक्रवार 2025 वर्ष का 241 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास भाद्रपद **पक्ष** शुक्ला
तिथि षष्ठी 20.22 बजे को समाप्त।
नक्षत्र स्वाती 11.39 बजे को समाप्त।
योग ब्रह्म 14.13 बजे को समाप्त।
करण कौलव 07.09 बजे तदनन्तर तैतिल 20.22 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 5.8 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 09° 20'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872451
जूलियन दिन 2460916.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना रवि उलावल
तारीख 05

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
चर	05.55 से 07.23 बजे तक	रोग	05.38 से 07.1 बजे तक
लाभ	07.23 से 08.51 बजे तक	काल	07.11 से 08.43 बजे तक
अमृत	08.51 से 10.19 बजे तक	लाभ	08.43 से 10.15 बजे तक
काल	10.19 से 11.47 बजे तक	उद्वेग	10.15 से 11.47 बजे तक
शुभ	11.47 से 01.15 बजे तक	शुभ	11.47 से 01.19 बजे तक
रोग	01.15 से 02.43 बजे तक	अमृत	01.19 से 02.51 बजे तक
उद्वेग	02.43 से 04.10 बजे तक	चर	02.51 से 04.23 बजे तक
चर	04.10 से 05.38 बजे तक	रोग	04.23 से 05.55 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अत: आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

वेल्लोर का अद्भुत श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर

जब भी गोल्डन टेंपल का जिक्र होता है, तो सबसे पहले लोगों की जुबां पर पंजाब के अमृतसर का नाम आता है। गोल्डन मंदिर को स्वर्ण मंदिर भी कहा जाता है। गोल्डन टेंपल सिख धर्म का पवित्र तीर्थ स्थल है। हर साल यहां पर लाखों की संख्या में श्रद्धालु मत्था टेकने के लिए आते हैं। लेकिन क्या आप जानते हैं कि भारत में सिर्फ एक ही स्वर्ण मंदिर नहीं है। आपको हैरान होने की जरूरत नहीं है। भारत के तमिलनाडु के वेल्लोर नगर में भी एक स्वर्ण मंदिर है। इसको दक्षिण भारत का स्वर्ण मंदिर कहा जाता है। मान्यता है कि यह मंदिर मां लक्ष्मी को समर्पित है और इसको महालक्ष्मी मंदिर भी कहा जाता है।

दक्षिण का स्वर्ण मंदिर

साउथ के गोल्डन टेंपल को बनाने में करीब 1500 किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लूर से करीब 7 किमी की दूरी थिरुमलाई कोडी में स्थित है। अगर आप चेन्नई से इस मंदिर के दर्शन के लिए जाते हैं, तो यहां से दूरी करीब 145 किमी है।

श्रीलक्ष्मी नारायण मंदिर का प्रवेश द्वार मुख्य मंदिर से करीब 1.5 से 2 किमी दूरी पर है। द्वार से चलकर मुख्य मंदिर तक जाने के दौरान आपको चारों ओर हरियाली देखने को मिलेगी।

लक्ष्मीनारायणी मंदिर की खासियत

तमिलनाडु के वेल्लूर में स्थित लक्ष्मी नारायणी मंदिर के निर्माण में कई किलो सोने का इस्तेमाल हुआ है। बताया जाता है कि जब इस मंदिर का निर्माण हुआ था, तो करीब 300 करोड़ रुपए का खर्च आया था। लक्ष्मी नारायणी मंदिर का मुख्य मंदिर और दीवारें सोने की बनी हैं। इस मंदिर में मां लक्ष्मी की करीब 70 किलो की सोने की ठोस मूर्ति स्थापित है। मंदिर में मां लक्ष्मी की मूर्ति देख ऐसा लगता है कि जैसे साक्षात मां लक्ष्मी मंदिर में विराजमान हैं।

यह मंदिर दिन में चमकता है और रात में इसकी भव्यता देखने लायक होती है। मंदिर के परिसर में 27 फीट ऊंचा दीपमाला है। जब इसमें दीपक जलते हैं, तो सोने की चमक में इसकी सुंदरता शब्दों में बयां नहीं की जा सकती है।

मंदिर में फहराया जाता है तिरंगा

बता दें कि लोकसभा, राष्ट्रपति भवन और अन्य सरकारी इमारतों की तरह साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर पर तिरंगा झंडा फहराया जाता है। यह मंदिर हिंदुओं के लिए नहीं बल्कि सभी धर्म के लोगों के लिए खुला रहता है। माना जाता है कि साल 2007 में इस मंदिर का निर्माण पूरा हुआ था। यह मंदिर इतना फेमस है कि प्राचीन मंदिर की सुंदरता और भव्यता भी इससे पीछे रह जाते हैं।

ऐसे पहुंचे श्री लक्ष्मी नारायणी मंदिर

अगर आप साउथ के गोल्डन टेंपल यानी श्रीलक्ष्मी नारायणी मंदिर जाना चाहती हैं, तो आप यहां पर हवाई, रेल और सड़क मार्ग से आसानी से पहुंच सकती हैं। यह मंदिर तमिलनाडु के वेल्लोर में स्थित है। ऐसे में अगर आप प्लेन से जाना चाहती हैं, तो निकटतम हवाई अड्डा तिरुपति और चेन्नई का पड़ता है। तिरुपति हवाई अड्डे की दूरी करीब 120 किमी और चेन्नई से करीब 145 किमी दूर है। वहीं अगर आप रेल से जा रही हैं, तो वेल्लोर से करीब का रेलवे स्टेशन कटपडी है। जोकि मंदिर से करीब 7 किमी दूर है।

केरल की इन हसीन जगहों पर जरूर घूमें

केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं।

जब भी दक्षिण भारतीय राज्यों में घूमने की बात होती है, तो लोग सबसे पहले केरल का नाम लेते हैं। अरब सागर के तट पर स्थित केरल एक बेहद खूबसूरत राज्य है। जहां पर हर दिन हजारों पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। केरल में कपल्स को हिल स्टेशन्स से लेकर समुद्री इलाके सबसे आकर्षिक करते हैं। इसलिए हर महीने दर्जन से भी अधिक कपल्स केरल रोमांटिक वेकेशन पर जाते हैं। अगस्त साल का एक ऐसा महीना है, जब कपल्स केरल में छुट्टियां मनाने के लिए पहुंचते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको केरल की कुछ रोमांटिक डेस्टिनेशन के बारे में बताने जा रहे हैं। जहां पर आप भी अपने पार्टनर के साथ हसीन पल बिताने के लिए पहुंच सकते हैं।

अल्लेप्पी

अगस्त के महीने में केरल की सबसे खूबसूरत और रोमांटिक जगह घूमने की बात की जाती है, तो कई कपल्स सबसे पहले अल्लेप्पी पहुंचते हैं। यह जगह अपनी खूबसूरती और मेहमान नवाजी के कारण केरल के टॉप हनीमून डेस्टिनेशन माना जाता है।

यह जगह अपने सबसे सुंदर बैकवाटर, लैगून और खूबसूरत बीचेज के लिए जाना जाता है। यहां पर समुद्र तट के किनारे कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जो कपल्स का शानदार वेलकम करते हैं। वहीं आप खूबसूरत बीच के किनारे खुशनुमा सुबह से लेकर हसीन शाम का लुत्फ उठा सकते हैं। वहीं पार्टनर के साथ हाउसबोट्स का भी आनंद ले सकते हैं।

वायनाड

वैसे केरल का मुन्नार तो हर कोई घूमने जाता है, लेकिन अगर आप किसी भीड़-भाड़ से दूर शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन को एक्सप्लोर करना चाहते हैं। तो आपको वायनाड को जरूर एक्सप्लोर करना चाहिए। यहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक और क्वॉलिटी टाइम बिता सकेंगे।

वायनाड एक बेहद शानदार और खूबसूरत हिल स्टेशन है। जोकि अपने चाय-काफी के बागान, हरियाली और शानदार वॉटरफॉल के लिए फेमस है। यहां पर कई ऐसे रिसॉर्ट और विला हैं, जहां पर आप अपने पार्टनर के साथ रोमांटिक पल बिता सकते हैं। इसके अलावा आप यहां पर कुरुवा द्वीप, चेम्बरा पीक और बाणासुर सागर बांध जैसी जगहों को एक्सप्लोर कर सकते हैं।

कोवलम

केरल के सबसे खूबसूरत और लोकप्रिय पर्यटन स्थलों में कोवलम का नाम भी शामिल है। यह अरब सागर के तट पर स्थित है। यहां पर सिर्फ अगस्त के महीने में नहीं बल्कि हर महीने पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह अपने अधिक समुद्र तटों और प्राकृतिक सुंदरता के लिए भी जाना जाता है। यहां पर हवा बीच, लाइट हाउस बीच और कोवलम बीच के किनारे कई कपल्स हनीमून के लिए भी पहुंचते हैं।

त्रिशूर

केरल की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में फेमस त्रिशूर घूमने के लिहाज से एक परफेक्ट डेस्टिनेशन है। यह केरल का ऐतिहासिक और धार्मिक शहर माना जाता है। त्रिशूर में आपको खूबसूरती से लेकर स्थानीय संस्कृति का बेजोड़ नमूना देखने का मौका मिलेगा। आप यहां पर अथिरापल्ली झरना, वड़ाकुमनाथन मंदिर आदि को भी एक्सप्लोर कर सकते हैं।

प्रकृति प्रेमियों के लिए जन्नत है जमशेदपुर के आसपास स्थित ये बेहतरीन जगहें, एक दिन में करें एक्सप्लोर

जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

जमशेदपुर झारखंड का सबसे बड़ा शहर है, जो अपनी सुंदरता के लिए जाना जाता है। इस शहर को स्टील सीटी या टाटानगर के नाम से भी जाना जाता है। जमशेदपुर को देश का औद्योगिक शहर भी माना जाता है। यह झारखंड का एक प्रमुख शहर है, लेकिन जब भी यहां पर घूमने की बात होती है, तो बहुत कम जगहें ऐसी हैं, जहां पर पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। इसलिए कई लोग जमशेदपुर के आसपास घूमने के लिए कई जगह तलाश करते हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको जमशेदपुर के आसपास की कुछ खूबसूरत और शानदार जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं। ऐसे में आप इन जगहों को एक दिन की ट्रिप में एक्सप्लोर कर सकते हैं।

डालमा हिल्स

जमशेदपुर में जब भी किसी शानदार और खूबसूरत जगह घूमने की बात होती है, तो कई लोग डालमा हिल्स का सबसे पहले नाम लेते हैं। कई लोग इसको दालमा हिल्स के नाम से भी जानते हैं। यह अपनी प्राकृतिक सुंदरता और लुभावने दृश्यों के लिए भी जाना जाता है। झारखंड के कई शहरों से पर्यटक डालमा में पिकनिक मनाने के लिए भी पहुंचते हैं। यहां पर लोग एडवेंचर एक्टिविटी का भी लुत्फ उठा सकते हैं।

डालमा हिल्स व्यू पॉइंट
दलमा वन्यजीव अभयारण्य
मकुलाकोचा
डालमा माई मंदिर
चांडिम डैम

झारखंड में सुवर्णरेखा नदी पर चांडिम डैम स्थित है। यह राज्य का प्रमुख डैम होने के साथ ही एक फेमस खूबसूरत पर्यटन स्थल भी है। यहां का पानी सिंचाई के अलावा औद्योगिक उपयोग, पेयजल और जलविद्युत उत्पादन के लिए भी इस्तेमाल किया जाता है।

इस डैम को एक फेमस पिकनिक स्पॉट के रूप में भी जाना जाता है। यहां पर कई पर्यटक बोटिंग का और प्रकृति का लुत्फ उठाने के लिए पहुंचते हैं। चांडिम डैम को साइबेरियन पक्षियों का घर भी माना जाता है। मानसून में इस डैम की खूबसूरती अपने चरम पर होती है।

घाटशिला

जमशेदपुर से करीब 50 किमी की दूरी पर स्थित घाटशिला एक खूबसूरत और प्रमुख पहाड़ी शहर है। यह राज्य के पूर्वी सिंहभूमि जिले में स्थित है। यह खूबसूरत शहर सुवर्णरेखा नदी के किनारे बसा है। झारखंड में घाटशिला को %उत्सवों का शहर% भी माना जाता है। इस जगह को प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। बुरुडीह झील घाटशिला की शान मानी जाती है।

यहां घूमें

पांच पांडव स्थल
रंकिणी मंदिर
फूलडुंगरी पहाड़ी
बुरुडीह झील
मुकुटमणिपुर

यह पश्चिम बंगाल की एक बेहद खूबसूरत और मनमोहक जगह है। जोकि झारखंड की सीमा से कुछ दूरी पर स्थित है। कंगसाबती और कुमारी नदियों के संगम पर मुकुटमणिपुर स्थित है। इसके कारण यहां दोनों ही राज्यों से पर्यटक घूमने के लिए पहुंचते हैं। यह जगह प्रकृति प्रेमियों के लिए स्वर्ग माना जाता है। मानसून में मुकुटमणिपुर की खूबसूरती चरम पर होती है।

यहां घूमें मुकुटमणिपुर बांध
परेश नाथ पहाड़ी
हिरण पार्क

संक्षिप्त समाचार

शमी ने संन्यास की बात पूछने वालों को करारा जवाब दिया

नई दिल्ली। पिछले काफी समय से भारतीय क्रिकेट टीम से बाहर चल अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को इंग्लैंड दौरे के बाद एशिया कप के लिए भी नहीं चुना गया जिससे बाद से ही कुछ लोगों ने उनके संन्यास की अटकलें लगानी शुरु कर दीं। इन लोगों का कहना था कि अब शमी को संन्यास ले लेना चाहिये क्योंकि उनकी उम्र भी बढ़ती जा रही है। इन्हीं लोगों पर शमी भड़के हुए हैं। उन्होंने अपने आलोचकों को करार जवाब दिया और कहा कि मैं किसे रास्ते की बाधा बना हूं जो मुझे हटाना चाहता है। शमी ने पिछले एक साल में केवल चैंपियंस ट्रॉफी में ही खेला था जिसमें उनका प्रदर्शन अच्छा रहा था। शमी ने कहा, अगर किसी को मेरे से परेशान हो और मेरे संन्यास से उसका जीवन बेहतर होता है तो वह मुझे बताये? जहां तक मेरी बात है जिस दिन मैं बोर हो जाऊंगा, मैं खेल छोड़ दूंगा।

सहवाग के बेटे आर्यवीर ने डीपीएल के डेब्यू मैच में ही दिन जीता

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेन्द्र सहवाग के बेटे आर्यवीर ने दिल्ली प्रीमियर लीग (डीपीएल) के अपने डेब्यू मैच में ही शानदार प्रदर्शन से सभी को प्रभावित किया है। आर्यवीर ने शुरुआत में धीमी बल्लेबाजी की पर लय मिलते ही वह बड़े शॉट लगाने लगे। इस बल्लेबाज ने अनुभवी तेज गेंदबाज नवदीप सैनी को भी अपना निशाना बलाया। उन्होंने नवदीप की पहली दो गेंदों पर लगातार दो चौके लगाये। इसके बाद रौनक वाघेला के ओवर में उन्होंने फिर पहली दो गेंदों पर लगातार दो चौके लगाए। वह रौनक की ही गेंद पर 22 के निजी स्कोर पर आउट कर हंसी। आर्यवीर को इस मैच में यश धुल की जगह शामिल किया गया था।

पृथ्वी की फिटनेस और प्रदर्शन में सुधार आया: दारेकर

मुम्बई। हाल ही में मुंबई क्रिकेट एसोसिएशन का साथ छोड़ महाराष्ट्र की टीम में शामिल होने वाले बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के प्रदर्शन में कुछ सुधार आया है। चेन्नई में खेले जा रहे बुच बाबू क्रिकेट टूर्नामेंट की तीन पारियों में उन्होंनें एक शतक और एक अर्धशतक लगाया है। वहीं इससे पहले खराब फिटनेस के कारण मुम्बई ने उन्हें रणजी ट्रॉफी की टीम में भी जगह नहीं दी थी। आईपीएल 2025 में भी उन्हें किसी टीम ने नहीं खरीदा था। महाराष्ट्र के मुख्य चयनर्ता का कहना है कि उन्हें कभी भी इस क्रिकेटर की बल्लेबाजी तकनीक पर संदेश नहीं था।

वर्ल्ड नंबर-2 वांग झी को हराया, मिक्स्ड डबल्स में ध्रुव-तनिषा की जोड़ी भी जीती

सिंधु वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टरफाइनल में पहुंचीं

नई दिल्ली ■ एजेंसी

डबल ओलिंपिक मेडलिस्ट पीवी सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। उन्होंने गुरुवार को विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 16 मैच में चीन की वांग झी को सीधे गेम में हराकर बाहर कर दिया। मिक्स्ड डबल्स इवेंट में भी भारतीय जोड़ी को सफलता मिली।

वर्ल्ड नंबर-2 के खिलाफ हावी हैं सिंधु ओलिंपिक में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीत चुकीं सिंधु ने वर्ल्ड नंबर-2 वांग झी के खिलाफ अपना दबदबा कायम रखा। सिंधु ने 5वें हेड टु हेड मैच में वांग को तीसरी बार हराया। वर्ल्ड नंबर-15 सिंधु ने पहला गेम कड़ी टक्कर के बाद 21-19 के अंतर से जीता।

सिंधु ने पहला गेम जीतने के बाद दूसरे गेम में भी 12-6 के अंतर से बढ़त बना ली। उन्होंने इस बढ़त को कायम रखा और 21-15 के अंतर से दूसरा गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। क्वार्टर फाइनल में सिंधु का सामना वर्ल्ड नंबर-1 साउथ कोरिया की आन से यंग से हो सकता है।

3 गेम में जीतीं मिक्स्ड डबल्स जोड़ी वर्ल्ड नंबर-16 भारत के ध्रुव कपिला और तनिषा कृष्टो की जोड़ी ने 3 गेम में राउंड ऑफ 16 मैच जीता। वर्ल्ड नंबर-2 हॉन्ग कॉन्ग के तांग चुन मिन और से यिंग सुट ने दोनों को पहला गेम 21-19 के अंतर से हरा दिया। ध्रुव-तनिषा ने दूसरे गेम में वापसी की और 21-12 से जीत दर्ज कर मैच बराबर कर दिया। भारतीय जोड़ी ने 21-15 के अंतर से तीसरा गेम जीता और क्वार्टर फाइनल में एंट्री कर ली।

प्रणय को वर्ल्ड नंबर-2 ने हराया मेंस सिंगल्स इवेंट में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। एचएस प्रणय को बुधवार देर रात राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा। उन्हें वर्ल्ड नंबर-2 डेनमार्क के आंद्रेस एंटोनसेन ने 3 गेम में हरा दिया। आंद्रेस ने पहला गेम बेहद आसानी से 21-7 के अंतर से जीत लिया।

प्रणय ने वापसी की और 21-17 से दूसरा गेम अपने नाम किया और मैच बराबरी पर ला दिया। तीसरे गेम में दोनों के बीच कड़ी टक्कर देखने को मिली और एक समय स्कोर 21-21 से बराबर हो गया। एंटोनसेन ने फिर अटैकिंग गेम खेला और 23-21 से तीसरा गेम जीतकर मैच भी अपने नाम कर लिया। प्रणय से पहले राउंड ऑफ 64 में लक्ष्य सेन को वर्ल्ड नंबर-1 खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा था।

बैडमिंटन वर्ल्ड चैंपियनशिप से बाहर हुए प्रणय: सिंधु ने बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड चैंपियनशिप के राउंड ऑफ 16 में एंट्री कर ली है। उन्होंने बुधवार को विमेंस सिंगल्स के राउंड ऑफ 32 के मैच में मलेशिया की लेत्शाना कारुपथेवान को सीधे गेम में हराकर बाहर किया। वहीं, मेंस सिंगल्स में भारतीय चुनौती खत्म हो गई। एचएस प्रणय को राउंड ऑफ 32 में हार का सामना करना पड़ा।

थाईलैंड में महिला वॉलीबाल मुकाबले में खेलती हुई कोलंबिया की डयाना सगोवा।

वेसली सो ने सिंकफील्ड कप जीता

प्रज्ञानंद ने ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिए क्वालिफाई किया

सेंट लुई (अमेरिका), एजेंसी। प्रज्ञानंद ने अमेरिका के लेवोन आरोनियन से ड्रॉ खेला और कारूआना को हराया, जबकि कारूआना ने टाइब्रेकर में एकमात्र ड्रॉ सो से खेला।

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने सिंकफील्ड कप में उपविजेता रहकर ग्रैंड शतरंज टूर फाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया जबकि अमेरिका के वेसली सो ने त्रिकोणीय प्लेऑफ मुकाबला जीतकर खिताब अपने नाम किया। सो ने नौवें और आखिरी दौर में उजबेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराया और प्रज्ञानंद तथा फेबियानो कारूआना से ड्रॉ खेला। उन्होंने प्लेऑफ में दो में से डेढ़ अंक बनाए। प्रज्ञानंद ने अमेरिका के लेवोन आरोनियन से ड्रॉ खेला और कारूआना को हराया, जबकि कारूआना ने टाइब्रेकर में एकमात्र ड्रॉ सो से खेला। फ्रांस के मैक्सिम

वाचियेर लाग्रेव ग्रैंड शतरंज टूर में सर्वाधिक अंक पाकर शीर्ष पर हैं। आरोनियन, कारूआना और प्रज्ञानंद भी क्वालिफाई कर चुके हैं।

क्लासिकल वर्ग में सो, कारूआना और प्रज्ञानंद के 5.5 अंक रहे। आरोनियन पांच अंक लेकर चौथे स्थान पर रहे। वाचियेर लाग्रेव, अमेरिका के सैमुअल सेवियान और पोलैंड के डुडा जान क्रिस्टोफ पांचवें स्थान पर रहे। उनके बाद विश्व चैम्पियन डी गुकेश रहे। फ्रांस के अलीरजा फिरोजा के 3.5 अंक रहे जबकि अब्दुसत्तोरोव के 2.5 अंक रहे।

राष्ट्रीय खेल सप्ताह के अंतर्गत

एनटीपीसी द्वारा जिला स्तरीय कबड्डी टूर्नामेंट का आयोजन

खरगोन ■ निप्र

पराक्रमी वही होते हैं जिनके अंदर गहरा जज़्बा, एक सपना और एक लक्ष्य होता है। जिला कबड्डी मीट 2025, जो एनटीपीसी खरगोन टाउनशिप परिसर में आयोजित किया गया, इस भावना को साकार करता हुआ एक ऐसा मंच प्रदान करता है जहाँ युवा खिलाड़ी अपने सपनों को पूरा करने और अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए एकत्र हुए।

जिला शिक्षा विभाग के सहयोग से, एनटीपीसी खरगोन ने 28 अगस्त 2025 को जिला स्तरीय कबड्डी मीट 2025 का शुभारंभ किया। इस आयोजन में लगभग 900 छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया, जो 60 से अधिक स्कूलों का प्रतिनिधित्व कर रहे थे। टूर्नामेंट में तीन श्रेणियाँ शामिल थीं-अंडर-14, अंडर-17, और अंडर-19, लड़कों और लड़कियों दोनों के लिए। इन प्रतियोगिताओं के विजेता आगामी डिवीजन स्तर कबड्डी मीट में भाग लेने के लिए चयनित होंगे।

शुभारंभ समारोह में HR, CSR, बाल भारती पब्लिक स्कूल, अहिल्या महिला मंडल के प्रतिनिधि एवं वरिष्ठ गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। जिला शिक्षा बोर्ड के अधिकारी भी बच्चों को प्रोत्साहित करने और हौसला बढ़ाने के लिए मौजूद थे। सभी ने प्रतियोगिता के दौरान

निष्पक्ष खेल के नियमों का पालन करने की शपथ ली। अहिल्या महिला मंडल की अध्यक्ष श्रीमती देबिका बोस ने प्रतिभागियों की उत्साहवर्धन की और खेल भावना को अपनाने का महत्व बताया। मैदान का माहौल जोश, समर्पण और जीत के जुनून से भरपूर था, जो प्रतियोगी खेलों की असली भावना को दर्शाता है।

व्यापार समाचार

वित्त मंत्री सीतारमण ने कारोबार व निवेश पर की चर्चा

कतर के विदेश व्यापार मामलों के मंत्री से मुलाकात की

नई दिल्ली ■ एजेंसी

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मिलीं। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समेत अन्य मुद्दों पर बातचीत की। आइए इस बारे में विस्तार से जानें।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण गुरुवार को कतर के विदेश व्यापार मामलों के राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद से मिलीं। दोनों नेताओं ने द्विपक्षीय व्यापार और निवेश समेत अन्य मुद्दों पर बातचीत की। चर्चा के दौरान, वित्त मंत्री सीतारमण ने कतर के मंत्री को पिछले दशक में विदेशी निवेश आकर्षित करने के लिए भारत की ओर से उठाए गए परिवर्तनकारी कदमों के बारे में बताया। वित्त मंत्रालय ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, दोनों मंत्रियों ने भारत और कतर के बीच रणनीतिक साझेदारी के तहत द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई। कतरी प्रतिनिधिमंडल ने बताया कि भारत की आर्थिक वृद्धि और तकनीकी विकास को देखते हुए वे भारत में निवेश के अच्छे अवसर देखते हैं। इसके अलावा, वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कतर के विदेश व्यापार राज्य मंत्री अहमद बिन मोहम्मद अल-सईद और उनके साथ आए प्रतिनिधिमंडल के साथ द्विपक्षीय बैठक में भाग लिया। चौधरी ने कहा, इस ऐतिहासिक द्विपक्षीय वार्ता में भारत और कतर के बीच व्यापार, निवेश और रणनीतिक

सहयोग के नए रास्ते खोलने के उद्देश्य से गहन चर्चा हुई। द्विपक्षीय आर्थिक संबंधों को मजबूत करने, व्यापार के अवसरों का विस्तार करने और उभरते क्षेत्रों में निवेश को बढ़ावा देने पर विशेष जोर दिया गया। भारत-भूटान के बीच कृषि क्षेत्र में सहयोग के लिए समझौते पर हस्ताक्षर: भारत और भूटान ने कृषि और उससे जुड़े क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। गुरुवार को जारी एक आधिकारिक बयान के अनुसार, कृषि सचिव देवेश चतुर्वेदी और भूटान सरकार के कृषि व पशुधन मंत्रालय के सचिव थिनले नामग्याल ने कृषि एवं संबद्ध क्षेत्रों में सहयोग को और मजबूत करने के लिए थिम्पू में एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर खाद्य सुरक्षा, टिकाऊ खेती और ग्रामीण समृद्धि के प्रति दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता को दर्शाता है। बयान में कहा गया है। यह समझौता ज्ञापन में उल्लिखित विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग के लिए एक रूपरेखा के रूप में काम करेगा, जिसमें कृषि अनुसंधान और नवाचार, पशुधन स्वास्थ्य और उत्पादन, फसल-पश्चात प्रबंधन, मूल्य श्रृंखला विकास और ज्ञान, कौशल और विशेषज्ञता का आदान-प्रदान शामिल है।

ट्रंप के टैरिफ असर से सेंसेक्स 678 अंक लुढ़का

मुंबई। ट्रंप द्वारा टैरिफ (आयात शुल्क) को लेकर दिए गए हालिया संकेतों का असर भारतीय शेयर बाजार पर गुरुवार को साफ नजर आया। बाजार खुलते ही निवेशकों में घबराहट दिखी और प्रमुख सूचकांक भारी गिरावट के साथ खुले। बीएसई सेंसेक्स में 678.13 अंकों की गिरावट आई और यह 0.84 फीसदी फिसलकर 80,108.41 पर पहुंच गया। वहीं, निफ्टी 50 इंडेक्स 176.25 अंक टूटकर 24,535.80 पर आ गया। इस गिरावट से बीएसई में लिस्टेड कंपनियों का कुल मार्केट कैप 4.14 लाख करोड़ रुपए घटकर 445.80 लाख करोड़ रुपए रह गया। सेंसेक्स की कंपनियों में एचसीएल टेक के शेयर सबसे ज्यादा फिसले। इसके अलावा एचडीएफसी बैंक, पावर ?ग्रिड, सनफार्मा, बीईएल, और टाटा मोटर्स में ?गिरावट दर्ज हुई। वहीं ए ?शियन पेंट, एलएंडटी, टाइटन और मारु ?ति जैसे शेयर बढ़त में नजर आए। वैश्विक बाजारों में भी मिला-जुला रुख रहा। जहां अमेरिका के एसएंडपी 500 और डाउ जोंस बढ़त के साथ बंद हुए, वहीं एशियाई बाजारों में मिलाजुला कारोबार देखा गया।

ट्रेड शो के तीसरे संस्करण की हो रही तैयारी

पुरानी योजनाओं की दिखेंगी उपलब्धियां, नई स्कीमें भी

लखनऊ ■ एजेंसी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 तैयारी कर रही है। इस बार इस मेगा इवेंट का फोकस न सिर्फ पुरानी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने पर होगा, बल्कि साथ ही सरकार की ओर से कई नई स्कीम्स और नीतियों को भी लॉन्च कर सकती है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सरकार उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस) 2025 तैयारी कर रही है। इस बार इस मेगा इवेंट का फोकस न सिर्फ पुरानी योजनाओं और उपलब्धियों को प्रदर्शित करने पर होगा, बल्कि साथ ही सरकार की ओर से कई नई स्कीम्स और नीतियों को भी लॉन्च कर सकती है। इसका मकसद निवेशकों को आकर्षित करने के साथ ही प्रदेश को ग्लोबल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में पेश करना है।

नई योजनाओं पर होगा जोर: कार्यक्रम के दौरान योगी सरकार के विभिन्न विभागों की फ्लैगशिप योजनाओं और पिछले वर्षों की उपलब्धियों को विस्तार से प्रदर्शित किया जाएगा। इसमें वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी), उत्तर प्रदेश डिफेंस इंडस्ट्रियल कॉरिडोर, एक्सप्रेस-वे नेटवर्क, गंगा एक्सप्रेस-वे, डिजिटल निवेश पोर्टल और ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट जैसे बड़े प्रोजेक्ट्स की झलक निवेशकों और आगंतुकों को दिखाई जाएगी। इंटरनेशनल ट्रेड शो के मंच से

सरकार नई उद्योग प्रोत्साहन योजनाएं, एमएसएमई वेंडर डेवलपमेंट प्रोग्राम और निर्यात बढ़ाने के लिए विशेष स्कीम्स को लॉन्च कर सकती है। उद्यमियों के लिए इनोवेशन सपोर्ट, महिला उद्यमिता प्रोत्साहन और स्टार्टअप्स के लिए सब्सिडी जैसी योजनाओं का भी एलान हो सकता है।

विदेशी निवेशकों तक पहुंचेगा संदेश: योगी सरकार ने भारतीय दूतावासों और विदेशी मिशनों से इस आयोजन को प्रमोट करने का अनुरोध किया है। इसके तहत होस्टेड बायर प्रोग्राम की जानकारी संबंधित देशों के प्रमुख खरीदारों, चैंबर्स और ट्रेड बॉडीज तक पहुंचाई जा रही है। इसके अतिरिक्त प्रदेश और देश के अंदर भी व्यापक प्रचार किया जा रहा है। मेट्रो, एयरपोर्ट, बस स्टैंड और टीवी चैनलों के जरिए कैंपेन चलाए जा रहे हैं। साथ ही सांस्कृतिक कार्यक्रमों के जरिए यूपी की लोककला और धरोहर का रंगारंग प्रदर्शन भी किए जाने की तैयारी है।

अदाणी समूह से एडब्ल्यूएल में हिस्सेदारी बढ़ाने सीसीआई से मंजूरी मांगी

नई दिल्ली। सिंगापुर की कृषि कंपनी विल्मर इंटरनेशनल ने अपनी इकाई लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से गौतम अदाणी के नेतृत्व वाले अदाणी अडानी समूह से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस लिमिटेड में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदने के लिए भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) से मंजूरी मांगी है। यह प्रस्ताव पिछले महीने 7,150 करोड़ रुपये में हुआ अधिग्रहण करने की घोषणा के बाद आया है। वर्तमान में, विल्मर के पास लेंस प्राइवेट लिमिटेड के माध्यम से एडब्ल्यूएल एग्री बिजनेस में लगभग 43.94 प्रतिशत हिस्सेदारी है। प्रस्तावित अधिग्रहण के बाद यह हिस्सेदारी बढ़कर 54.94 से 63.94 प्रतिशत के बीच हो जाएगी। इससे विल्मर इस कंपनी का बहुमत मालिक बन जाएगा।

रघुराम राजन ने अमेरिका के 50 फीसदी टैरिफ को बताया गंभीर

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर और जाने-माने अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने अमेरिका द्वारा भारत पर लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ को गंभीर चिंता बताया है। अमेरिका ने भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, जिससे भारत से अमेरिका निर्यातित वस्तुओं पर कुल टैरिफ 50 प्रतिशत हो गया है। राजन ने इसे वैश्विक आर्थिक व्यवस्था में व्यापार और निवेश के हथियार बन जाने की दिशा में एक गंभीर संकेत माना है। राजन ने कहा कि भारत को किसी एक देश पर निर्भरता कम करनी होगी। उन्होंने पूर्वी देशों, यूरोप और अफ्रीका जैसे अन्य बाजारों की ओर देखने और व्यापार के विकल्प बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमें आत्मनिर्भरता के साथ-साथ विकल्पों की व्यवस्था भी करनी चाहिए ताकि संकट के समय निर्भरता कम रहे।

मंगल इलेक्ट्रिकल का आईपीओ बाजार में शेयर प्राइस बैंड के करीब खुला

मुंबई। ट्रांसफार्मर कंपोनेंट बनाने वाली कंपनी मंगल इलेक्ट्रिकल इंडस्ट्रीज के शेयर गुरुवार, 28 अगस्त को स्टॉक मार्केट में लिस्ट हो गए। कंपनी के शेयर बीएसई पर 558 रुपये प्रति शेयर के भाव से लिस्ट हुए, जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 561 रुपये से लगभग 0.53 प्रतिशत कम है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज पर शेयर 556 रुपये प्रति शेयर पर खुले, जो इश्यू प्राइस से 0.89 प्रतिशत कम है। मंगल इलेक्ट्रिकल का आईपीओ 20 अगस्त से 22 अगस्त तक खुला था और इसमें कुल 71 लाख इक्विटी शेयरों का नया इश्यू शामिल था।

कच्चा तेल सस्ता, कंपनियों का मुनाफा बंपर, लेकिन उपभोक्ताओं को राहत नहीं

मार्च से तेल कीमतों में गिरावट, फिर भी पेट्रोल-डीजल के दाम स्थिर

नई दिल्ली ■ एजेंसी

बीते कुछ महीनों से कच्चे तेल की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली है, लेकिन इसका फायदा अब तक आम जनता को नहीं मिल पाया है। मार्च 2025 से अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे बना हुआ है। वहीं भारत को रूस से और 5 फीसदी अतिरिक्त छूट भी मिल रही है, जिससे आयातित तेल की कीमत में और गिरावट आ गई है। इसके बावजूद देश की तीन प्रमुख सरकारी तेल कंपनियां-इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन (आईओसी), भारत पेट्रोलियम (बीपीसीएल) और हिंदुस्तान पेट्रोलियम (एचपीसीएल) पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतें घटाने से बच रही हैं। इन कंपनियों ने चालू वित्त वर्ष 2025-26 की पहली तिमाही (अप्रैल-जून) में कुल 16,184 करोड़ का मुनाफा कमाया, जो बीते वर्ष की तुलना में ढाई गुना ज्यादा है। इस अवधि में बीपीसीएल को सबसे अधिक 6,124 करोड़ का लाभ हुआ, जबकि आईओसी ने 5,689 करोड़ और एचपीसीएल ने 4,371 करोड़ कमाए। मौजूदा समय में कंपनियां पेट्रोल पर प्रति लीटर 11.20 रुपए और डीजल पर 8.10 रुपए का विपणन मार्जिन कमा रही हैं, जो विश्लेषकों के अनुसार सामान्य से कहीं अधिक है। हालांकि सरकार ने अप्रैल में उत्पाद शुल्क 2 प्रति लीटर बढ़ाया था, पर खुदरा कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ क्योंकि यह बढ़ोतरी अंतरराष्ट्रीय गिरावट से समायोजित कर दी गई थी। वहीं एलपीजी पर भारी सब्सिडी के बावजूद कंपनियों का लाभ रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया है।

50% अमेरिकी टैरिफ से टेक्सटाइल सेक्टर को बचाने के लिए फैसला, 11% तक छूट मिलेगी

कपड़ा कारोबारी 31 दिसंबर तक ड्यूटी-फ्री कॉटन इंपोर्ट कर पाएंगे

मुंबई ■ एजेंसी

सरकार ने कपास (कॉटन) के ड्यूटी-फ्री आयात को तीन महीने और बढ़ा दिया है। अब टेक्सटाइल कारोबारी 31 दिसंबर तक बिना इंपोर्ट ड्यूटी के बाहर से कॉटन मंगा सकेंगे। इससे पहले सरकार ने 19 अगस्त से 30 सितंबर तक के लिए इसकी छूट दी थी। टेक्सटाइल कारोबारियों को 50% अमेरिकी टैरिफ के बोझ से राहत देने के लिए यह फैसला लिया गया है।

आज यानी गुरुवार (28 अगस्त) को मंत्रालय ने एक बयान में कहा, निर्यातकों को और सपोर्ट करने के लिए, केंद्र सरकार ने कपास (।।ऽ5201) पर इंपोर्ट आयात ड्यूटी छूट को 30 सितंबर 2025 से बढ़ाकर 31 दिसंबर 2025 तक करने का फैसला किया है।

इंपोर्ट ड्यूटी में कुल 11% की छूट मिलेगी। बेसिक कस्टम ड्यूटी - 5% एग्रीकल्चर इंफ्रास्ट्रक्चर एंड डेवलपमेंट सेस - 5%

सोशल वेलफेयर सरचार्ज– 1%

इस कदम से टेक्सटाइल वैल्यू चेन, जैसे यार्न, फैब्रिक, गारमेंट्स और मेड-अप्स के इनपुट कॉस्ट कम होने की उम्मीद है। इससे टेक्सटाइल निर्माताओं और उपभोक्ताओं दोनों को राहत मिलेगी। 27 अगस्त से अमेरिका ने भारतीय सामानों, जैसे टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण और चमड़े पर 50% ड्यूटी लगा दी है।

ड्यूटी छूट से घरेलू बाजार में कच्चे कपास की कमी नहीं होगी, कपास की कीमतें स्टेबल रहेंगी और इससे तैयार टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स पर महंगाई का दबाव कम होगा।

सरकार के मुताबिक, यह कदम भारतीय टेक्सटाइल प्रोडक्ट्स के एक्सपोर्ट कॉम्पिटिशन को बढ़ाएगा, प्रोडक्ट बनाने की लागत में कमी आएगी और इस सेक्टर की छोटी-मध्यम कंपनियों को सुरक्षा मिलेगा।

पहले की स्थिति: भारत ने 2024 में अमेरिका को 10 बिलियन डॉलर, यानी करीब 87 हजार करोड़ के टेक्सटाइल एक्सपोर्ट किए थे। इसमें रेडीमेड गार्मेंट से लेकर कॉटन यार्न और कारपेट शामिल है। इस साल की पहली तिमाही में भारत का कुल निर्यात 10% बढ़कर 4 बिलियन डॉलर हो गया, जिसमें अमेरिका को निर्यात 14% बढ़ा।

टैरिफ के बाद: नए टैरिफ से 50% भारतीय कपड़ों के कीमत बढ़ सकती है। कंपड़ों की मांग में 20-25% की कमी संभव है।

संक्षिप्त समाचार

उप्र के 13 अधिनियमों के 99 फीसदी आपराधिक कानून होंगे समाप्त, जल्द आएगा बिल

लखनऊ। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रिफॉर्म, परफॉर्म, ट्रांसफॉर्म के मंत्र के अनुरूप मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में औद्योगिक व श्रम सुधारों की दिशा में बड़े कदम उठाना शुरू कर दिए हैं। राज्य में उद्योग और व्यापार से जुड़े 13 राज्य अधिनियमों के लगभग 99 फीसदी आपराधिक प्रावधान समाप्त करने की तैयारी कर रही है। ऐसा होने पर उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बनने जा रहा है, जो व्यावहारिकता के दृष्टिकोण से इतने बड़े पैमाने पर आपराधिक प्रावधानों को गैर-आपराधिक श्रेणी में परिवर्तित करेगा। गुरुवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ईज ऑफ डूइंग बिजनेस को और सशक्त बनाने के लिए नए कदम उठाना समय की मांग है। साथ ही यह भी उतना ही आवश्यक है कि औद्योगिक विकास के साथ श्रमिकों की सुरक्षा और सुविधा की गारंटी सुनिश्चित हो। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 'श्रमेव जयते' के भाव को आत्मसात करते हुए हमें ऐसे सुधार करने होंगे, जो उद्यमियों और श्रमिकों; दोनों के लिए लाभकारी सिद्ध हों।मुख्यमंत्री के निर्देश पर राज्य सरकार शीघ्र ही 'सुगम्य व्यापार (प्रावधानों का संशोधन) विधेयक, 2025' लाने जा रही है। इसके अंतर्गत आबकारी अधिनियम, शीरा अधिनियम, वृक्ष संरक्षण अधिनियम, राजस्व संहिता, गन्ना अधिनियम, भूगर्भ जल अधिनियम, नगर निगम अधिनियम, प्लास्टिक कचरा अधिनियम, सिनेमा अधिनियम तथा क्षेत्र व जिला पंचायत अधिनियम सहित कई कानूनों को अधिक व्यावहारिक स्वरूप दिया जाएगा। इनमें जहां पहले कारावास की सजा का प्रावधान था, वहां अब अधिक आर्थिक दंड व प्रशासनिक कार्रवाई को वरीयता देने की योजना है। नए प्रावधानों पर चर्चा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि अनावश्यक दंडात्मक प्रावधानों को समाप्त कर, उनकी जगह पारदर्शी और न्यायसंगत व्यवस्था लागू करना समय की मांग है।

तमिलनाडु के सीएम स्टालिन ने केन्द्र से तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत देने की मांग की

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने अमेरिकी टैरिफ के प्रभाव को कम करने के लिए तिरुपुर कपड़ा उद्योग को राहत प्रदान करने की मांग की है। स्टालिन ने कहा है कि टैरिफ में बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर गहरा असर पड़ा है। मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने गुरुवार सोशल मीडिया एक्स पर कहा कि यूएस टैरिफ में 50 प्रतिशत की बढ़ोतरी से तमिलनाडु के निर्यात पर, विशेष रूप से तिरुपुर के कपड़ा केंद्र पर भारी असर पड़ा है। इससे लगभग 3,000 करोड़ रुपये का व्यापार प्रभावित हुआ है और हजारों नौकरियां खतरे में पड़ गई हैं। उन्होंने मांग करते हुए लिखा कि मैं हमारे उद्योगों और श्रमिकों की सुरक्षा के लिए तत्काल राहत और संरचनात्मक सुधारों के लिए केंद्र सरकार से अपनी मांग दोहराता हूं। इससे कुछ दिन पहले स्टालिन ने कहा था कि अमेरिकी टैरिफ 25 प्रतिशत से बढ़कर संभावित रूप से 50 प्रतिशत हो जाने से, तमिलनाडु पर ज्यादातर राज्यों की तुलना में ज्यादा असर पड़ेगा क्योंकि हमारे निर्यात अमेरिकी बाजार से गहराई से जुड़े हुए हैं। कपड़ा, चमड़ा, ऑटो, मशीनरी और अन्य क्षेत्रों में लाखों नौकरियां खतरे में हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से मानव निर्मित रेशों पर 5 प्रतिशत जीएसटी निर्धारित करने, कपास के आयात पर शुल्क हटाने, स्थगन के साथ आसान कम ब्याज वाले ऋण उपलब्ध कराने तथा निर्यात प्रोत्साहन और ऋण बढ़ाने के लिए त्वरित कार्रवाई करने का आग्रह किया था। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार व्यापार संकट से निपटने के लिए केंद्र सरकार के साथ मिलकर काम करेगी।

अमेरिका ने कहा- हमारे रुख में नहीं आएगी नरमी

वॉशिंगटन। अमेरिका पूरी ताकत से लगा है कि भारत उसका कहना मान ले। लेकिन भारत पर इसका कोई खास असर दिखाई नहीं दे रहा है। अमेरिका ने एक बार फिर भारत को चेतावनी दी है। नेशनल इकोनॉमिक काउंसिल के निदेशक केविन हैसेट ने कहा है कि भारत नहीं माना, तो अमेरिका अपना रुख नरम नहीं करेगा। बुधवार से ही भारत पर लगाया गया 25 फीसदी अतिरिक्त शुल्क लागू हो गया है। इस लिहाज से अमेरिका ने भारत पर कुल 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भारत को रूसी तेल की खरीद को लेकर निशाना बना रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक भारत और अमेरिका के बीच शुल्क को लेकर तनाव गहराने के बीच प्रस्तावित द्विपक्षीय व्यापार समझौते (बीटीए) पर जारी वार्ता इस पर निर्भर करेगी कि दोनों पक्ष एक-दूसरे की संवेदनशीलताओं और 'सीमाओं' का किस तरह ध्यान रखते हैं। आखिरकार कुछ सीमाएं हैं जिनसे हम समझौता नहीं कर सकते हैं। समझौता इस पर निर्भर करेगा कि दोनों पक्ष इन सीमाओं से किस तरह निपटते हैं। हमारे लिए यह स्पष्ट कर दिया गया है कि किसानों, मछुआरों और छोटे उत्पादकों के हितों से कोई समझौता नहीं होगा। भारत और अमेरिका के बीच इस व्यापार समझौते को लेकर मार्च 2025 से ही बातचीत का दौर चल रहा है और अब तक पांच दौर की बातचीत हो चुकी है। छठा दौर 25 अगस्त से ही शुरू होने वाला था लेकिन अमेरिकी पक्ष ने इसके लिए भारत की अपनी यात्रा स्थगित कर दी है।

भाजपा का भारत की सबसे बड़ी पार्टी पर हमला, कहा-

लोकतंत्र में भाषा की मर्यादा को कांग्रेस कर रही तार-तार

नई दिल्ली ■ एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि राहुल गांधी की 'गाली की दुकान' सील होगी और इसकी शुरुआत बिहार से होगी। दरभंगा में एक सभा के दौरान राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री मोदी की दिवंगत मां को कहे गए अपशब्द को लेकर पार्टी ने कहा कि लोकतंत्र में एक मर्यादा होती है। आज भाषा की मर्यादा तार-तार हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी की मां के लिए कटुता और असभ्य भाषा का प्रयोग होना मर्यादा के खिलाफ है।

भाजपा प्रवक्ता एवं सांसद डॉ. संबित पात्रा ने पार्टी मुख्यालय में गुरुवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि कांग्रेस को अपनी भाषा के लिए शर्मसार होना चाहिए। कांग्रेस अब स्वतंत्र गाली वाली पार्टी बन गई है। नकली गांधी परिवार की हार से छटपटाहट इस कदर बढ़ गई थी कि अब वे भारत के प्रधानमंत्री की मां को गाली देने से नहीं चूक रहे हैं। उन्होंने कहा कि बिहार की जनता इस प्रकार की भाषा देख रही है, उसका जवाब भी देगी। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी प्रधानमंत्री के लिए तू तड़ाक की भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं, जनता देख रही है। प्रधानमंत्री 140 करोड़ जनता के प्रधानमंत्री हैं। अमर्यादित भाषा को लोग बर्दाश्त नहीं करेंगे।

पात्रा ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने मणिशंकर अय्यर की जगह को भरने का काम किया है। चुनाव आयोग को चोर कहना और अन्य संवैधानिक संस्थाओं के लिए अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना कांग्रेस की आदत बन गई है। कांग्रेस पहले गली-गली की पार्टी हुआ करती थी अब वो गाली की पार्टी बन गई है।

राजनीतिक हताशा में सामाजिक मर्यादाएं तोड़ रहे राहुल-तेजस्वी: चुग

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने गुरुवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के नेता तेजस्वी यादव ने राजनीति को जिस स्तर तक गिराने का काम किया है, वह भारतीय लोकतंत्र के लिए दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत मां के लिए जिस प्रकार की अभद्र भाषा उनके मंच से बोली गई, उसने राजनीतिक गरिमा की सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। भाजपा महासचिव तरुण चुग ने पार्टी मुख्यालय में मीडिया से कहा कि राजनीति में वैचारिक मतभेद हो सकते हैं, पर किसी की मां का अपमान करना घोर निंदनीय है। यह आचरण बताता है कि राहुल और तेजस्वी ने जनता का विश्वास खो दिया है और अब वे राजनीतिक हताशा में सामाजिक मर्यादाओं को तोड़ रहे हैं। बिहार की जनता ने अपमान को कभी स्वीकार नहीं किया है। राहुल और तेजस्वी यदि हजार बार भी माफ़ी मांग लें, तब भी इस अभद्रता के लिए उनको माफ नहीं किया जा सकता। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी और तेजस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विकास से डरकर झूठी बातें फैला रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी ईमानदारी से देश की सेवा कर रहे हैं। जनता उनपर सच्चे मन से भरोसा करती है। चुग ने पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान पर भी हमला बोला। चुग ने कहा कि प्रचार में व्यस्त मुख्यमंत्री मान केंद्र की योजनाओं को अपना बताकर जनता को सिर्फ गुमराह करते हैं। पंजाब कर्ज, बेरोजगारी और बदहाल कानून व्यवस्था से जूझ रहा है। अब जनता जान चुकी है कि झूठे वादों और दिखावे से नहीं, काम से विकास होता है।

धर्मेंद्र प्रधान ने विपक्ष की मानसिकता पर सवाल उठाए

भुवनेश्वर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने वृहस्पतिवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दिवंगत माताजी को लेकर की गई अभद्र टिप्पणी की कड़ी निंदा की। उन्होंने इस टिप्पणी को बेहद शर्मनाक और निंदनीय बताया। सोशल मीडिया पोस्ट में प्रधान ने कहा कि यह टिप्पणी इंडी गठबंधन की प्रधानमंत्री मोदी के प्रति नफरत की पराकाष्ठा को दर्शाती है, जिसमें कांग्रेस नेता राहुल गांधी और राजद नेता तेजस्वी यादव भी शामिल हैं। उन्होंने लिखा, राजद-कांग्रेस के चुनावी मंच से की गई यह टिप्पणी न केवल प्रधानमंत्री का अपमान है, बल्कि हर उस भारतीय का भी अपमान है जो अपनी माँ को ईश्वरतुल्य मानता है। प्रधान ने आरोप लगाया कि बिहार को अपमानित करने के बाद अब विपक्षी नेता प्रधानमंत्री की दिवंगत माताजी के खिलाफ आपत्तिजनक भाषा का इस्तेमाल कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह आचरण इन नेताओं की खोखली मानसिकता और गहरी हताशा को उजागर करता है, जो जनता का समर्थन न मिलने से उपजी है। प्रधान ने आगे कहा, इन नेताओं की निराशा अब उनकी भाषा और व्यवहार में साफ झलक रही है।

छत्तीसगढ़ वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार : सीएम साय

रायपुर ■ एजेंसी

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुवार को दक्षिण कोरिया की राजधानी सियोल में आयोजित छत्तीसगढ़ इन्वेस्टर कनेक्ट कार्यक्रम में कोरिया इंटरनेशनल ट्रेड एसोसिएशन और निवेशकों के समक्ष छत्तीसगढ़ में निवेश की संभावनाओं की विस्तार से जानकारी दी। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ अपनी प्रो-एक्टिव एवं विकासोन्मुख औद्योगिक नीति 2024-30, प्रचुर प्राकृतिक संसाधनों और प्रशिक्षित जनशक्ति के बल पर वैश्विक निवेश और औद्योगिक सहयोग के लिए पूरी तरह तैयार है।

मुख्यमंत्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में प्रचुर मात्रा में जल, ऊर्जा, लौह अयस्क व स्टील और बेहतरीन कनेक्टिविटी उपलब्ध है। ये संसाधन दक्षिण कोरियाई निवेशकों के लिए अवसरों के नए द्वार खोलते हैं। उन्होंने निवेशकों को आश्वस्त किया कि राज्य सरकार सिंगल-विंडो क्लीयरेंस, व्यवसाय सुगमता और उद्योग-अनुकूल नीतियों के माध्यम से प्रत्येक निवेशक को हर स्तर पर सहयोग प्रदान करेगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ आज खनिज, ऊर्जा, इस्पात, खाद्य प्रसंस्करण, इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण और आईटी-स्टार्टअप्स जैसे क्षेत्रों में वैश्विक निवेश का स्वागत कर रहा है। उन्होंने ने यह भी रेखांकित किया कि छत्तीसगढ़ का विकास मॉडल केवल औद्योगिक प्रगति तक सीमित नहीं है, बल्कि यह युवाओं को रोजगार, महिलाओं को स्वावलंबन और किसानों को उपज का बेहतर मूल्य दिलाने पर केंद्रित है। उन्होंने कहा कि औद्योगिक निवेश के साथ-साथ सामाजिक सशक्तिकरण भी हमारी प्राथमिकता है। इस अवसर पर मुख्यमंत्री साय ने भारत के राजदूत अमित कुमार से भारतीय दूतावास सियोल में मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में निवेश संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हमने स्टील और खनिज से लेकर इलेक्ट्रॉनिक्स व फूड प्रोसेसिंग तक, मजबूत द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी की संभावनाओं पर विचार-विमर्श किया है। साय ने दक्षिण कोरिया और छत्तीसगढ़ के बीच सांस्कृतिक एवं कारोबारी रिश्तों को रेखांकित करते हुए कहा कि इन साझेदारियों से प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, अनुसंधान एवं नवाचार और उच्च मूल्य रोजगार के अवसर तेजी से बढ़ेंगे।

मुख्यमंत्री ने दक्षिण कोरिया के निवेशकों को छत्तीसगढ़ में निवेश के लिए किया आमंत्रित

भारतीय सेना ने पश्चिमी सीमा पर किया ड्रोन अभ्यास

जोधपुर। दक्षिणी कमान के अंतर्गत बैटल एक्स डिवीजन ने कोणार्क कोर के तत्वावधान में जैसलमेर में ड्रोन और काउंटर ड्रोन सिस्टम की सफलतापूर्वक जांच और मान्यता के लिए एक्सरसाइज ड्रोन अस्त्र- II का आयोजन किया गया। इस अभ्यास का उद्देश्य आधुनिक युद्धक्षेत्र में ड्रोन तकनीक और उसके प्रतिरोधक उपायों की क्षमता का परीक्षण करना था।

जम्मू-कश्मीर और पंजाब में सेना-वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया

नई दिल्ली ■ एजेंसी

जम्मू-कश्मीर और पंजाब के कुछ हिस्सों में आई भीषण बाढ़ के बाद भारतीय सेना और वायु सेना ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू किये हैं। दोनों सेनाओं ने बाढ़ राहत और बचाव कार्यों के लिए हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं। उड़ान कौशल का प्रदर्शन करते हुए आर्मी एविएशन इकाइयां जीवन बचाने के लिए खराब मौसम में भी चौबीसों घंटे अथक परिश्रम कर रही हैं। उत्तरी पंजाब और जम्मू क्षेत्रों में भारतीय वायु सेना ने त्वरित बाढ़ राहत अभियान चलाया है।

भारतीय सेना ने 27 अगस्त को शाम लगभग 4 बजे पंजाब के गुरदासपुर के लस्सियां क्षेत्र में बाढ़ से लोगों की जान को खतरा होने की स्थिति में साहसिक बचाव अभियान चलाया। आर्मी एविएशन इकाइयों के तीन चीता हेलीकॉप्टरों ने कई उड़ानें भरकर अत्यंत विषम उड़ान परिस्थितियों में 27 लोगों को सफलतापूर्वक निकाला। भारतीय सेना इस संकट के समय में सभी नागरिकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए सभी आवश्यक सहायता और समर्थन प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है। व्हाइट नाइट कोर की विमानन इकाइयों ने जलमग्न द्वीपों में फंसे 27 संकटग्रस्त कर्मियों को हवाई मार्ग से निकालकर सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया। जम्मू क्षेत्र में व्हाइट नाइट कोर के सैनिकों ने बहुमूल्य जानें बचाईं और संकटग्रस्त लोगों की सेवा करने की अपनी प्रतिबद्धता को और मजबूत किया। भारतीय वायु सेना ने हेलीकॉप्टर बेड़ा सक्रिय करके उत्तरी क्षेत्र में निकटवर्ती ठिकानों से पांच एमआई-17 हेलीकॉप्टर और एक चिनूक हेलीकॉप्टर को तैनात किया है। वायु सेना ने बचाव कार्यों में शामिल होने के लिए अतिरिक्त हेलीकॉप्टर स्टैंडबाय पर रखे हैं।

मॉस्को और कीव में घमासान, रूस की तेल रिफाइनरी में लगी आग, यूक्रेन में 14 की मौत

मॉस्को/कीव ■ एजेंसी

रूस और यूक्रेन ने गुरुवार तड़के एक-दूसरे के यहां ताबड़तोड़ हमले कर कहर बरपाया। यूक्रेन ने रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में स्थित अफिप्सकी तेल रिफाइनरी पर रणनीतिक हमला किया। इससे रिफाइनरी में आग लग गई। दूसरी ओर रूस ने यूक्रेन की राजधानी कीव के रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया। इस दौरान कम से कम 14 लोगों की मौत हो गई।

कीव पोस्ट की खबर में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के जनरल स्टाफ के हवाले से दावा किया गया है कि गुरुवार तड़के रक्षा बलों ने रूस में रणनीतिक ठिकानों और अस्थायी रूप से कब्जे वाले क्षेत्रों पर रुक-रुक कर कई हमले किए। यूक्रेनी बलों ने इस दौरान रूस के क्रास्नोडार क्षेत्र में स्थित अफिप्सकी तेल रिफाइनरी पर हमला किया। इससे रिफाइनरी में भीषण आग लग गई। यह रिफाइनरी रूसी सेना को ईंधन की आपूर्ति करती है। इसकी क्षमता प्रति वर्ष 60 लाख टन से अधिक तेल उत्पादन की है।

यूक्रेन के जनरल स्टाफ के अनुसार, इससे पहले रात को किए गए हमले में रूस के समारा क्षेत्र में स्थित कुइबिशेव तेल रिफाइनरी में विस्फोट के बाद आग लग गई। इसकी वार्षिक प्रसंस्करण क्षमता लगभग 70 लाख टन है। यह रिफाइनरी गैसोलीन के अलावा रूसी रक्षा क्षेत्र में इस्तेमाल होने वाले अन्य पेट्रोलियम उत्पादों का उत्पादन करती है। जनरल स्टाफ ने दावा किया कि इसके अलावा रूसी क्षेत्र और यूक्रेन के अस्थायी रूप से रूस के कब्जे वाले क्षेत्रों में दुश्मन के कई गोला-बारूद डिपो और रसद केंद्रों को नष्ट कर दिया गया। कीव पोस्ट के अनुसार, रूस ने भी गुरुवार सुबह यूक्रेन की राजधानी कीव पर बैलिस्टिक क्रूज मिसाइलों, किंजल हाइपरसोनिक मिसाइलों और ईरान निर्मित शाहिद ड्रोनों से बमबारी की। अधिकारियों ने बताया कि इस हमले से पूरे शहर में आग लग गई। आवासीय इमारतों और बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा और कम से कम 12 लोगों की मौत हो गई, जिनमें तीन बच्चे शामिल है।

अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र की निदेशक सुजैन मोनारेज बर्खास्त, चार पदाधिकारियों का इस्तीफा

वाशिंगटन (अमेरिका) ■ एजेंसी

व्हाइट हाउस ने बुधवार देररात अमेरिका के रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) की निदेशक सुजैन मोनारेज को टकराव के बाद बर्खास्त कर दिया। स्वास्थ्य सचिव रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर के कहने पर उन्होंने अपने पद से इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। संक्रामक रोग शोधकर्ता डॉ. मोनारेज को कैनेडी ने एक महीने पहले ही शपथ दिलाई थी।

द न्यूयॉर्क टाइम्स ने इस टकराव पर प्रसारित अपनी खबर में कहा कि डॉ. मोनारेज का कैनेडी के साथ हाल ही में टीका नीति को लेकर टकराव हो गया था। डॉ. मोनारेज की नियुक्ति की पुष्टि सीनेट भी कर चुकी है। पूर्व के निदेशकों के साथ ऐसा कभी नहीं हुआ, इसलिए वह राष्ट्रपति की मर्जी पर निर्भर रहे। सीनेट की पुष्टि की वजह से कैनेडी के पास उन्हें हटाने का अधिकार नहीं था। दिनभर चले इस घटनाक्रम पर डॉ. सुजैन मोनारेज के वकीलों ने शाम के वक्त जोर देकर कहा कि वह यहीं रहेंगी। लेकिन रात 9.30 बजे राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप के प्रवक्ता कुश देसाई ने एक ई-मेल संदेश साझा कर कर कहा कि डॉ. मोनारेज को बर्खास्त कर दिया गया है।

डॉ. मोनारेज के वकीलों मार्क एस. ज़ैद और एब्बे लोवेल ने एक बयान में कहा कि डॉ. मोनारेज की स्थिति बड़े मुद्दे का प्रतीक है। जैद और लोवेल ने लिखा, यह सार्वजनिक स्वास्थ्य संस्थानों को सुनियोजित रूप से ध्वस्त करने की साजिश है। डॉ. मोनारेज पर हमला हर अमेरिकी के लिए एक चेतावनी है। कैनेडी और डॉ. मोनारेज के बीच कई दिनों से चल रहा टकराव बुधवार को सार्वजनिक रूप से सामने आया। दोपहर को स्वास्थ्य एवं मानव सेवा विभाग ने एक्स पर घोषणा की कि डॉ. मोनारेज अब सीडीसी की निदेशक नहीं हैं। इसके कुछ घंटों बाद वकील लोवेल और जैद ने विभाग के बयान पर आपत्ति जताते हुए कहा कि डॉ. मोनारेज ने न तो इस्तीफा दिया है और न ही व्हाइट हाउस से उन्हें बर्खास्तगी की सूचना मिली है। ईमानदार और विज्ञान के प्रति समर्पित व्यक्ति होने के नाते वह इस्तीफा नहीं देंगी। इस नाटकीय घटनाक्रम के बाद सीडीसी की मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. डेबरा होउरी, डॉ. डेमेट्रे डस्कलाकिस, डॉ. डैनियल जर्निगन और डॉ. जेनिफर लेडेन ने अपने पदों से इस्तीफा दे दिया।

450 पन्नों की रिपोर्ट में तुष्टीकरण व एतिहासिक भारतीय धरोहरों को मिटाने का किया गया दावा

न्यायिक आयोग ने सीएम को सौंपी संभल हिंसा जांच रिपोर्ट, दंगों से हिन्दुओं के पलायान का दावा

लखनऊ ■ एजेंसी

उत्तर प्रदेश का संभल जिला बीते साल 2024 में 24 नवंबर को हुए दंगों पर इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जस्टिस के नेतृत्व में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग ने आज अपनी जांच रिपोर्ट मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी। इस रिपोर्ट में कहा गया कि सुनियोजित हिंसा में हिन्दूओं को टारगेट किया गया और उन्हें पलायन के लिए मजबूर किया गया।

गुरुवार को न्यायिक आयोग के सदस्य इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा, पूर्व डीजीपी एके जैन और रिटायर्ड आईएएस अमित मोहन प्रसाद ने लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। इस मुलाकात के दौरान जांच आयोग के सदस्यों ने नवंबर 2024 में संभल में दंगों की अपनी 450 पन्नों की रिपोर्ट मुख्यमंत्री को सौंपी। रिपोर्ट के मुताबिक संभल में सुनियोजित तरीके से बार-बार हिंसा की आड़ में हिन्दुओं को टारगेट करते हुए अपने आशियाने छोड़ने या पलायन के लिए मजबूर किया गया था।

रिपोर्ट में इस बात का प्रमुखता से दावा किया गया है कि यहां हिंदू 45 प्रतिशत से घटकर 20 फीसदी हो गये। दरअसल, संभल में नवंबर 2024 में हरिहर मस्जिद में सर्वे के दौरान हिंसा भड़क गई थी। हिंसा के बाद इस मामले की जांच के लिए राज्य सरकार ने इलाहाबाद उच्च न्यायालय के रिटायर्ड जस्टिस देवेंद्र कुमार अरोड़ा के नेतृत्व में तीन सदस्यीय न्यायिक आयोग का गठन किया था। इस न्यायिक आयोग ने अपनी जांच रिपोर्ट आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को सौंप दी है।

जांच रिपोर्ट में दावें- *जांच रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 1947 में आजादी के बाद संभल नगरपालिका क्षेत्र में हिंदू 45 फीसदी और मुस्लिम 55 प्रतिशत थे, जबकि अब वहां हिंदू घटकर सिर्फ 15 प्रतिशत रह गए हैं। अब इस इलाके की मुस्लिम आबादी बढ़कर 85 फीसदी तक पहुंच गई है। हिंदुओं की घटती आबादी का कारण रिपोर्ट में तुष्टिकरण, योजनाबद्ध दंगे और डर का माहौल इस बदलाव की प्रमुख वजहें बताई गई हैं। इस रिपोर्ट में दंगों का पूरा ब्योरा दिया गया है। जानकारी के मुताबिक रिपोर्ट में न्यायिक आयोग को 1947 से 2019 तक 15 बड़े दंगों का दस्तावेजी विवरण मिले हैं और इन दंगों में सबसे अधिक नुकसान हिंदू समुदाय को हुआ। वहीं बाबर कालीन से जुड़े भी कुछ साक्ष्य संभल में मिले हैं।*

देशभर में जनसंख्या असंतुलन का हो रहा प्रयास

संभल दंगों पर आई रिपोर्ट पर भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रवक्ता राकेश त्रिपाठी ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि संभल रिपोर्ट से सच सामने आ गया है कि देशभर में जनसंख्या असंतुलन के प्रयास हो रहे हैं। संभल में हिंदुओं की आबादी कम हुई। जहां भी सुरक्षा के एहसास का अभाव होता है, वहां पलायन होता है, डेमोग्राफी चेंज हो जाती है।

तेहरान (ईरान)। इस्लामिक रिवोल्यूशन गार्ड्स कॉर्प्स (आईआरजीसी) ग्राउंड फोर्स के कुद्स बेस को ईरान के दक्षिण-पूर्वी प्रांत सिस्तान और बलूचिस्तान में आतंकवादी समूहों के खिलाफ तीन अभियानों में बड़ी सफलता हाथ लगी है। खुफिया अधिकारियों के साथ मिलकर अंजाम दिए गए इन अभियानों में 13 आतंकी मारे गए। इनमें आतंकवादी समूह जैश अल-अदल के आठ लड़ाके शामिल हैं।

गणेशोत्सव का आज तीसरा दिन

राहुल नगर मल्टी के राजा श्री गणेश जी का भव्य आगमन हो चुका है। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहुंच रहे हैं।

गणेश महोत्सव के चलते सीमा सिगमा ग्रीन कॉलोनी सेमरा में कॉलोनी वासियों के द्वारा भव्य गणेश जी की मूर्ति स्थापित की।

अशोका गार्डन स्थित प्रांजल चिल्ड्रन हॉस्पिटल के पास रहवासियों ने गणेश जी की भव्य प्रतिमा स्थापित की। जिसे देखने के लिए भक्तों की भीड़ उमड़ रही है।

उमा बिहार कोलुआ कला में कॉलोनी वासियों के द्वारा गणेश महोत्सव पर भगवान गणेश की भव्य प्रतिमा स्थापित की।

ध्यानचंद की जयंती पर आज से खेल महोत्सव का आगाज

31 अगस्त तक प्रदेशभर में होंगी खेल और फिटनेस गतिविधियां, सीएम होंगे शामिल

भोपाल ■ अमृत दर्शन

हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की 120वीं जयंती पर आज राष्ट्रीय खेल दिवस का शुभारंभ राजधानी भोपाल में हुआ। सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास कैलाश सारंग ने टीटी नगर स्टेडियम में मेजर ध्यानचंद की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की और उपस्थित खिलाड़ियों तथा नागरिकों को फिट इंडिया की शपथ दिलाई।

मुख्यमंत्री रहेंगे मुख्य अतिथि

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर आज शाम 4 बजे मप्र हॉकी टीम और रेलवे टीम के बीच रोमांचक मैत्री मैच खेला जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। मैच का आयोजन मप्र हॉकी अकादमी परिसर में होगा। इस दौरान पूर्व अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों को सम्मानित भी किया जाएगा।

सुबह से ही स्टेडियम में खेलों का उत्साह देखने को मिला। 'एक घंटा खेल के मैदान में' अभियान के तहत योग, फुटबॉल, एथलेटिक्स, जूडो, बैडमिंटन और बॉक्सिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। बड़ी संख्या में खिलाड़ी, कोच और नागरिक इस अभियान से जुड़े।

खिलाड़ी होंगे ब्रांड एंबेसडर

मंत्री सारंग ने इस अवसर पर कहा कि प्रदेश में खेलों को जनांदोलन बनाने का लक्ष्य है। उन्होंने खिलाड़ियों से आव्हान किया कि अगले तीन माह में कम से कम 10 लोगों को खेल और फिटनेस के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा, खिलाड़ी हमारे ब्रांड एंबेसडर होंगे, जो नागरिकों को खेल मैदान में आने और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करेंगे।

तीन दिवसीय महोत्सव

राष्ट्रीय खेल दिवस को इस बार विशेष रूप से मनाने के लिए प्रदेश के सभी 313 ब्लॉक्स में तीन दिवसीय खेल एवं फिटनेस गतिविधियों का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन 29 से 31 अगस्त तक चलेगा, जिसमें ब्लॉक स्तर पर प्रतियोगिताएं, मैत्री मैच, कार्यशालाएं और जनजागरूकता कार्यक्रम शामिल होंगे। मंत्री सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश खिलाड़ियों को विश्वस्तरीय सुविधाएं और अधोसंरचना उपलब्ध कराने में देशभर में अग्रणी है। तीन दिवसीय यह महोत्सव 'खेलो इंडिया, फिट रहो इंडिया' के संकल्प को मजबूत करेगा।

सीएम डॉ मोहन यादव ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद को किया नमन

राष्ट्रीय खेल दिवस पर प्रदेशवासियों और खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं

राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने हॉकी के जादूगर मेजर ध्यानचंद की जयंती पर उन्हें सादर नमन किया। सीएम ने कहा, मेजर ध्यानचंद ने अपने अप्रतिम समर्पण और लगन से न केवल हॉकी के क्षेत्र में भारत को विश्व पटल पर गौरवान्वित किया, बल्कि खेल जगत में एक अमिट छाप छोड़ी। उनकी उपलब्धियां हर खिलाड़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत हैं। इस अवसर पर सीएम ने राष्ट्रीय खेल दिवस की सभी खिलाड़ियों और खेल प्रेमियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा, खेल हमें अनुशासन, समर्पण और एकता सिखाते हैं। मध्य प्रदेश के खिलाड़ी विभिन्न खेलों के माध्यम से देश और प्रदेश का मान बढ़ा रहे हैं, और मैं उनकी सर्वोच्च सफलता की कामना करता हूं। सीएम ने युवाओं से मेजर ध्यानचंद के जीवन से प्रेरणा लेकर खेलों में सक्रिय भागीदारी और उत्कृष्टता हासिल करने का आह्वान किया।

मध्यप्रदेश के मुख्य सचिव अनुराग जैन का कार्यकाल एक साल बढ़ा

2026 तक पद पर रहेंगे, सीएम ने दी बधाई

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में मुख्य सचिव अनुराग जैन को एक साल का सेवा विस्तार मिल गया है। गुरुवार को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सोशल मीडिया पर उनको बधाई देते हुए जानकारी साझा की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पर लिखा कि मध्यप्रदेश शासन के मुख्य सचिव अनुराग जैन जी, आपको कार्यकाल के एक वर्ष बढ़ाए जाने पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं। आपके दीर्घ प्रशासनिक अनुभव, नवाचारों और सतत् प्रयासों से प्रदेश की विकास यात्रा निरंतर नए प्रतिमान स्थापित करे, मेरी मंगलकामनाएं।

बता दें मुख्य सचिव अनुराग जैन 31 अगस्त को सेवानिवृत्त हो रहे हैं। अब एक वर्ष के सेवा विस्तार से अनुराग जैन अगस्त 2026 तक पद पर बने रहेंगे। जैन प्रदेश के सातवें सीएस होंगे, जिनको सेवा विस्तार दिया गया है। उनको रिटायरमेंट के तीन दिन पहले एक साल का सेवा विस्तार दिया गया। इससे पहले प्रदेश में हाल ही में इकबाल सिंह बैंस, वीरा राणा को भी सेवा विस्तार दिया गया था।

जैन प्रदेश के 35वें मुख्य सचिव

अनुराग जैन का जन्म 11 अगस्त 1965 को ग्वालियर, मध्य प्रदेश में हुआ था। भारतीय प्रशासनिक सेवा में आने के बाद जैन की पहली नियुक्ति जून 1990 में सागर में सहायक कलेक्टर के पद पर हुई। जैन की शैक्षणिक योग्यता बी.टेक. इंजीनियरिंग और एमए लोक प्रशासन (अमेरिका) है। मुख्य सचिव जैन मंडला, मंदसौर, भोपाल जिलों में कलेक्टर के पद पर कार्यरत रहे। जैन ने मध्य प्रदेश शासन में सचिव, प्रमुख सचिव एवं अपर मुख्य सचिव के रूप में विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी संभाली। 1989 बैच के भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी अनुराग जैन ने 3 अक्टूबर 2024 को मंत्रालय में मध्य प्रदेश सरकार के 35वें मुख्य सचिव के रूप में पदभार संभाला था।

भोपाल टेंट कारोबारी सुसाइड मामला

पत्नी और ससुराल वालों की काली करतूत से उठा पर्दा

18 दिन बाद मृतक हिमांशु यादव का वीडियो आया सामने

भोपाल ■ अमृत दर्शन

राजधानी भोपाल में एक टेंट कारोबारी हिमांशु यादव के सुसाइड का मामला सुर्खियों में है। 18 दिन बाद सामने आए एक वीडियो ने इस घटना को और सनसनीखेज बना दिया है। इस वीडियो में हिमांशु ने अपनी मौत का कारण अपनी पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना को बताया है। हिमांशु ने वीडियो में खुलासा किया कि उनकी पत्नी और ससुराल वाले उन्हें और उनके पिता को जेल भेजने की धमकी दे रहे थे।

मानसिक रूप से टूट चुके हिमांशु ने कहा, मुझे माफ करना मम्मी-पापा, मैं हमेशा के लिए जा रहा हूं। इस वीडियो ने उनके परिवार और पुलिस को झकझोर कर रख दिया है। हिमांशु की मौत के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। यह मामला भोपाल में हाल के दिनों में पत्नी और ससुराल वालों की प्रताड़ना से जुड़े सुसाइड के बढ़ते मामलों की ओर इशारा करता है। जांच में यह पता लगाया जा रहा है कि हिमांशु को इस कदम तक पहुंचाने के लिए जिम्मेदार परिस्थितियां क्या थीं। पुलिस अब इस वीडियो के आधार पर आगे की कार्रवाई कर रही है।

मप्र में आईएएस अफसरों को देना होगा प्रॉपर्टी का ब्यौरा, आदेश जारी

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश कैडर के सभी आईएएस अफसरों को अब अपनी प्रॉपर्टी का पूरा ब्यौरा देना होगा। सामान्य प्रशासन विभाग ने सख्त निर्देश जारी करते हुए कहा है कि 31 जनवरी तक प्रॉपर्टी का ब्यौरा जमा नहीं करने वाले अफसरों का प्रमोशन रोक दिया जाएगा। यह कदम पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए उठाया गया है। अफसरों को अब समयसीमा के भीतर अपनी संपत्ति की जानकारी देनी होगी, वरना उनके करियर पर इसका सीधा असर पड़ सकता है।

बुजुर्ग महिला के गले से झपटा मंगलसूत्र

भोपाल ■ अमृत दर्शन

रोजाना की तरह सुबह की सैर के लिए निकलीं बुजुर्ग महिला के गले से बाइकसवार बदमाशों ने मंगलसूत्र छीन लिया। इधर टीटी नगर इलाके में गणेश जी की प्रतिमा खरीदने के लिए टीन शेड टीटी नगर पहुंचीं महिला के गले से सोने की चेन चोरी कर ली। पुलिस ने दोनों ही मामलों में प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बाइक पर बैठकर भाग निकला बदमाश: पिपलानी पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार 65 वर्षीय माधवी कौरव विवेकानंद कालोनी में रहती हैं तथा गृहिणी हैं। रोजाना की तरह बुधवार की सुबह वे सैर के लिए निकली थीं। थकान होने के कारण घर से कुछ दूरी पर बने पुटपाथ पर बैठी हुई थी। इसी दौरान बाइक सवार दो युवक उनके पास पहुंचे। एक युवक बाइक स्टार्ट कर खड़ा रहा, जबकि उसका साथी नीचे उतरा और माधवी के गले पर झपट्टा मारकर मंगलसूत्र छीन लिया। वह कुछ समझ पाती, उसके पहले ही बदमाश अपने साथी के साथ बाइक पर बैठकर भाग निकला।

गले से सोने की चैन गायब

इधर अज्ञात चोर ने टीटी नगर इलको में सेवानिवृत्त शिक्षिका के गले से सोने की चेन पार कर दी। टीटी नगर पुलिस ने बताया कि त्रिवेणी कॉम्पलेक्स निवासी 67 निवासी इंद्रा श्रीवास्तव रिटायर्ड शिक्षिका हैं। शाम को वह गणेशजी की मूर्ति लेने के लिए टीनशेड पहुंची थी।

मध्यप्रदेश के 15 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट

भोपाल सहित कई इलाकों में बारिश के आसार

भोपाल ■ अमृत दर्शन

मध्यप्रदेश में एक बार फिर मौसम ने करवट ली है और तेज बारिश का दौर शुरू हो गया है। प्रदेश के कई जिलों में भारी बारिश की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग ने आज 15 जिलों में भारी बारिश की चेतावनी जारी की है। नर्मदापुरम, बैतूल और हरदा में बारिश का येलो अलर्ट जारी किया गया है, जहां तेज बारिश के साथ बिजली चमकने की भी संभावना है। वहीं, भोपाल, विदिशा, गुना, अशोकनगर और शिवपुरी में हल्की बारिश होने के आसार हैं।

रायसेन जिले में बीते 9 घंटों में 2 इंच बारिश दर्ज की गई है, जबकि छिंदवाड़ा में 1 इंच पानी बरसा। प्रदेश में इस मानसून सीजन में अब तक कुल 35.6 इंच बारिश हो चुकी है, जो सामान्य से कुछ अधिक है। मौसम विभाग ने नागरिकों से सतर्क रहने और निचले इलाकों में जलभराव से बचने की सलाह दी है।

मध्य प्रदेश में मौसम का पूर्वानुमान

मौसम विभाग के मुताबिक, मानसून ट्रफ मध्यप्रदेश के बीचों-बीच से गुजरी, जिससे मौसम में दलाव आया। इसके साथ ही एक अन्य ट्रफ भी सक्रिय हुई, जिसका प्रभाव कुछ इलाकों में महसूस हुआ। इसके अलावा, बंगाल की खाड़ी में एक निम्न दबाव क्षेत्र (लो प्रेशर एरिया) सक्रिय हो रहा है, जिसका असर अगले कुछ दिनों में प्रदेश के मौसम पर पड़ेगा। इसके परिणामस्वरूप प्रदेश के कई जिलों में तेज बारिश का दौर जारी रह सकता है।

शोक संदेश

बड़े दुख का विषय है कि
मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमि. भोपाल के वरिष्ठ जनसंपर्क अधिकारी एवं पब्लिक रिलेशन सोसायटी ऑफ इंडिया भोपाल चैप्टर के अध्यक्ष
श्री मनोज द्विवेदी की पुत्रवधु
श्रीमती आक्रुति द्विवेदी (29 वर्ष) दूर संचार विभाग, भारत सरकार में कार्यरत का बीमारी के चलते आकस्मिक देवलोक गमन गुरूवार, 28 अगस्त 2025 को हो गया है।
अंतिम यात्रा
निज निवास से भदभदा विश्राम घाट प्रस्थान करेगी
दिनांक : 29 अगस्त 2025 को
निज निवास
127, गुड शेफर्ड कॉलोनी, कोलार रोड, भोपाल
शोकाकुल परिवार
पी.एन.द्विवेदी, पूर्व अपर संचालक जनसंपर्क (दादा ससुर)
मनोज-ऋतु द्विवेदी (सास-ससुर)
यश द्विवेदी (पति), इरा द्विवेदी (ननद), नायरा द्विवेदी (पुत्री)
अशोक-नीलम त्रिपाठी (माता-पिता)
Mob.: 9425303948, 9424439296

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी. गोयल द्वारा सुख सागर, 6 पत्रकार नगर, कोलार रोड, भोपाल से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच. इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल-462023 (म.प्र.) से मुद्रित। फोनः 4240007 फैक्स 0755-4296195, आर.एन.आई नं. 50259/90 डाक पंजीयन नं. म.प्र./भोपाल/86/24-26 न्यायिक क्षेत्र भोपाल होगा। प्रधान संपादकः डी.पी.गोयल। मोबाईल नं. 9827054436।